www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 186 || लखनऊ
बुधवार
07 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:01
सूर्यास्तः 05:47
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 22°00



पेज 07

विशेष समाचार | बेहतर विकल्प एवं जरूरी... >> पेज 04 | ब्रज के विरक्त संत पद्मश्री रमेश ... >> पेज 06 | महाराष्ट्र साइबर पुलिस के समन पर...

राह चलती बेटियों को छेड़ा, तो दूसरे लोक की यात्रा हो जाएगी

पुलिस देख अपराधियों की पैंट गीली हो जाती है : योगी



परिवर्तन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने मंगलवार को कहा कि अब मैं देख रहा हूं कि नाइट शिफ्ट में बेटियां बेझिझक आकर काम करती हैं। काम करके सुरक्षित अपने घर जाती हैं। 10 साल पहले जो संकट बने थे। पुलिस अफसरों को टारगेट करके भय और दहशत पैदा करते थे। आज वे पुलिस की गाड़ी देखते हैं, तो उनकी पैंट गीली हो जाती है। राह चलती बेटी को या अपने काम से बाहर निकली बहन को छेड़ने का कोई दुस्साहस नहीं कर सकता। उसे मालूम है कि जो इस तरह की हरकत करेगा, तो उसकी अगली यात्रा इस लोक की नहीं, दूसरे लोक की होने वाली है। सीएम योगी लखनऊ में HCL Tech के 10 साल पूरे होने पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले 9.5 साल में यूपी पूरी तरह बदल चुका है। पहले बिजली कुछ परिवारों के लिए पेटेंट थी।

अब हर घर में मिल रही। आज दुनिया भर के युवाओं को करियर के लिए लखनऊ आना पड़ रहा है। रचना ने कहा कि इस कार्यक्रम ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। पहले वह लोगों के सामने मंच पर खड़े होकर बोलने से भी डरती थीं। आज वह पूरे आत्मविश्वास के साथ मंच पर अपनी बात रख पा रही हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम से जुड़ने के बाद उन्हें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला।

>> (शेष पेज 06 पर)



एचसीएल की कर्मचारी रचना राय ने कहा कि घर की बड़ी बेटी हूं, पिता की आर्थिक स्थिति देखकर कुछ करने का फैसला किया। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। उन्होंने कहा कि छोटे शहर और सामान्य परिवार से आने पर कई बार लगता है कि हमारे पास कुछ नहीं है, लेकिन सही अवसर मिलने पर आगे बढ़ा जा सकता है।

यूपी की पहचान अब एक्सप्रेसवे और विकास से हो रही है

सीएम ने कहा- आज प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित माहौल में काम कर रही हैं। अपने घर से बाहर निकली किसी बहन को कोई अब छेड़ने का दुस्साहस नहीं कर सकता। उसे पता है कि अगर ऐसी हरकत करेगा तो उसकी अगली यात्रा इस लोक की नहीं, किसी दूसरे लोक की होगी।इसी विश्वास के साथ प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बनाने के लिए काम किया गया है। दस साल पहले यूपी का नाम सुनकर लोगों में डर और आशंका का माहौल बनता था। लोग यूपी की पहचान अपराध और माफिया से जोड़ते थे। आज स्थिति बदल गई है। यूपी की पहचान अब एक्सप्रेसवे और विकास से हो रही है।



सीएम ने कहा- करीब नौ साल पहले जब उन्होंने पूछा था कि कितनी बेटियां और बहनें नाइट शिफ्ट में काम करती हैं, तो जवाब मिला था कि यूपी में नाइट शिफ्ट की कल्पना नहीं की जाती। आज बेटियां और महिलाएं नाइट शिफ्ट में काम कर रही हैं और सुरक्षित अपने घर लौट रही हैं।

युवाओं से ऐसे कार्यक्रमों से जुड़ने की अपील की

रचना ने कहा कि वह 17 साल की उम्र में कंपनी से जुड़ी थीं और अब उन्हें यहां काम करते हुए तीन साल हो चुके हैं। साथ ही वह बिट्स पिलानी से बीएससी की डिग्री कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि वह आगे भी पढ़ाई जारी रखना चाहती हैं और जीवन में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने युवाओं से ऐसे कार्यक्रमों से जुड़ने और आगे बढ़ने का आग्रह किया।

'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' से होती थी यूपी की पहचान

सीएम योगी ने कहा- एक समय यूपी की पहचान 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' से होती थी। आज 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' और 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' से यूपी की पहचान बन रही है। हर जिले का अपना खान-पान और अपनी पहचान है। हमने इस नई पहचान को संजोकर रखा है। सीएम ने कहा कि कुछ समय पहले यूपी से IT-ITeS और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में करीब 12 से 15 हजार करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट होता था। आज हम एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का एक्सपोर्ट कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य इसे और आगे बढ़ाना है। उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग भी तेजी से बढ़ी है। कुछ वर्ष पहले यह करीब 3 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर थी, जो अब 45 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। हमारा लक्ष्य इसे 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का है।

बेटियां नाइट शिफ्ट करके सुरक्षित घर लौट रही हैं

करीब दस साल पहले प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर अलग स्थिति थी। पुलिस को देखकर अपराधी और माफिया डरते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। आज पुलिस की गाड़ी देखकर अपराधियों में डर पैदा होता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सुरक्षा और रोजगार के बेहतर माहौल से युवाओं को अपने ही राज्य में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

सड़क पर खड़े ट्रेलर में घुसी कार, 7 की मौत

भावनगर। गुजरात के भावनगर-सोमनाथ नेशनल हाईवे पर मंगलवार को भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। हादसा शिव शक्ति होटल के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार बोलेरो एसयूवी सड़क किनारे खड़े ट्रेलर के पीछे जा टकराई। बोलेरो में अलंग शिपयार्ड के 7 कर्मचारी सवार थे। सभी काम के सिलसिले में भावनगर से अलंग शिपयार्ड जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि भारी-भरकम ट्रेलर तक के अगले पहिए टूटकर अलग हो गए थे। हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक ने हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान विजयभाई चंदुभाई वोरा, पीयूषभाई बिपिनचंद्र शाह, प्रितेशभाई बिपिनचंद्र भयाणी, भार्गवभाई गोसाई, हिरेनभाई मेहता और योगेशभाई शाह और जयेशभाई हिम्मतभाई वसानी के रूप में हुई है।

सुप्रीम कोर्ट में 3 नए जजों ने ली शपथ

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने पद की शपथ दिलाई

न्याय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सीजेआई सूर्यकांत ने मंगलवार को प्रमोट किए गए तीन नए जजों को सुप्रीम कोर्ट में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नियुक्त किए गए जजों में गुजरात हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस सुनीता अग्रवाल, दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और तेलंगाना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अपरेश कुमार सिंह शामिल हैं। इसके साथ ही शीर्ष अदालत में कार्यरत जजों की संख्या बढ़कर 37 हो गई। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 28 सितंबर को इन तीनों जजों को सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किए जाने की सिफारिश की थी। कॉलेजियम की सिफारिश के बाद केंद्र सरकार ने इनकी नियुक्ति को सोमवार को अधिसूचित किया था। सुनीता अग्रवाल का जन्म 30 अप्रैल 1966 को फैजाबाद , उत्तर प्रदेश में हुआ। उन्होंने लखनऊ यूनिवर्सिटी में साइंस की पढ़ाई की और अवध यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री ली।



बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी की सीटों पर वोटिंग खत्म

शाम 5 बजे तक सबसे ज्यादा 83.86% वोटिंग मदुरंतकम में दर्ज, हुमायूं कबीर मुर्शिदाबाद से गिरफ्तार

उपचुनाव

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 6 सीटों पर मंगलवार हुई वोटिंग शाम 6.00 बजे खत्म हो गई। शाम 5 बजे तक के वोटर टर्नआउट में सबसे ज्यादा 83.86% वोटिंग तमिलनाडु के मदुरंतकम में दर्ज की गई। वहीं, आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) के प्रमुख और विधायक हुमायूं कबीर को बंगाल के मुर्शिदाबाद में उनके पार्टी कार्यालय से पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

मीडिया से बात करते हुए नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान ने आरोप लगाया है कि उनके पोलिंग एजेंट्स को जबरन उठा दिया गया था।



तमिलनाडु के धारापुरम में मतदान अधिकारी को हटाया गया

तमिलनाडु के धारापुरम विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को एक मतदान अधिकारी को ड्यूटी से हटा दिया गया। उस पर आरोप है कि उसने एक बुजुर्ग महिला मतदाता से 'सीटी' चुनाव चिह्न वाले उम्मीदवार को वोट देने के लिए कहा। इसके बाद मतदान केंद्र पर हंगामा हो गया।

फास्ट न्यूज

2026 का फिजिक्स नोबेल फ्रांसिस हाल्जेन को मिला

स्टॉकहोम। बेल्जियम के वैज्ञानिक फ्रांसिस हाल्जेन को 2026 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला है। उन्हें यह पुरस्कार अंतरिक्ष से धरती तक आने वाले बेहद ताकतवर न्यूट्रिनो को पकड़ने और उनके बारे में पता लगाने में अहम काम के लिए दिया गया है।

एसआईआर के फॉर्म-6 विवाद पर राहुल बनाम भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने मंगलवार को राहुल गांधी के फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर लगाए आरोपों पर जवाब दिया। प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि चुनाव आयोग ने फॉर्म-6 में कोई बदलाव नहीं किया है। SIR के लिए इसके साथ एक अतिरिक्त घोषणापत्र जोड़ा गया था। पात्रा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई को बिहार में SIR को बरकरार रखा था। कोर्ट ने SIR के लिए अतिरिक्त दस्तावेजी प्रक्रिया की जरूरत को स्वीकार किया था। 5 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसने फॉर्म-6 के किसी संशोधित संस्करण को मंजूरी नहीं दी थी।

असम के जागीरोड में देश का सबसे बड़ा सेमीकंडक्टर प्लांट

जागीरोड। असम के जागीरोड, मोरीगांव में बन रहा टाटा समूह का सेमीकंडक्टर प्लांट देश का सबसे बड़ा सेमीकंडक्टर प्लांट है। पूरी तरह से चालू होने पर इस प्लांट की उत्पादन क्षमता रोजाना करीब 4.8 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप तक होने की उम्मीद है। करीब 592 एकड़ में फैले इस प्लांट में ट्रायल रन शुरू हो चुका है।

दलबदल संवैधानिक पाप : सुप्रीम कोर्ट

चुनाव आयोग दोनों को अलग-अलग निशान दे सकता था

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को शिवसेना के चुनाव चिह्न विवाद पर सुनवाई हुई। इस दौरान CJI जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने पूछा कि क्या उन लोगों को पार्टी का निशान दिया जा सकता है जिन्होंने दलबदल जैसा संवैधानिक पाप किया है? कोर्ट यह जानना चाहता है कि क्या सिर्फ विधायकों की संख्या को ही एकमात्र पैमाना मानना सही है, जबकि उन विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्रवाई कोर्ट में चल रही हो। सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी पूछा था कि चुनाव आयोग दोनों गुटों को धनुष-बाण निशान देने से इनकार क्यों नहीं किया था। अब इस मामले की सुनवाई बुधवार को होगी। सुनवाई के दौरान शिंदे गुट ने दलीलें दी कि चुनाव आयोग का विधायी बहुमत के आधार पर फैसला लेना कानूनी रूप से सही था। उन्होंने कहा कि उनके पास पार्टी के अधिकतर चुने हुए विधायक और सांसद हैं।



20 तरह के लड़ाकू जहाज उड़ाने में माहिर, कारगिल जंग में भी शामिल रहे

वायुसेना के नए प्रमुख बने आशुतोष दीक्षित, कार्यकाल 2028 तक

जिम्मेदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित वायुसेना के नए प्रमुख होंगे। वह 31 अक्टूबर को एयर चीफ मार्शल का कार्यभार ग्रहण करेंगे। वे अभी एयर वाइस मार्शल हैं। उन्होंने 1 जुलाई 2026 को यह पदभार संभाला था। आशुतोष दीक्षित कारगिल जंग में भी शामिल थे। उन्होंने फाइटर जेट से घुसपैठियों पर बम गिराए थे। वह 20 तरह की लड़ाकू विमान उड़ाने में माहिर हैं।



आशुतोष दीक्षित एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह की जगह लेंगे, जो 30 सितंबर 2024 को वायुसेना प्रमुख बने थे। वह 31 अक्टूबर को रिटायर्ड हो रहे हैं। वह ऑपरेशनल फाइटर स्क्वाड्रन और फ्रंटलाइन एयर बेस की कमान भी संभाल चुके हैं। एयर मार्शल दीक्षित 29वें वायुसेना प्रमुख होंगे। उन्हें करीब 40 साल का सर्विस अनुभव है। उन्होंने मिराज-2000, मिग के अलग-अलग वर्जन, जगुआर, तेजस, हॉक, IL-78, AN-32, किरण, HPT-32 और एवरो जैसे कई विमानों को उड़ाया है। वे एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट और क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर भी हैं। उन्होंने अब तक 3500 घंटे से ज्यादा उड़ान भरी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

वायुसेना के टेस्ट पायलट हैं एयर मार्शल दीक्षित

आशुतोष दीक्षित वायुसेना में टेस्ट पायलट हैं। टेस्ट पायलट सबसे कुशल पायलट माने जाते हैं। इसका काम विमान को उसकी अंतिम सीमाओं तक ले जाकर टेस्ट करना होता है। सेना की खेप में जब भी कोई नया विमान आता है उसे पहली बार टेस्ट पायलट ही आसमान में लेकर जाते हैं। उड़ान के दौरान विमान के कंट्रोल, स्थिरता और तकनीकी ग्लिच की जांच करते हैं।



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसी साल 29 जून को एयर मार्शल दीक्षित को परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया था।

विरोध : सुबह मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ मार्च निकाला था, सीईसी के खिलाफ 5 दिन में 7वां प्रदर्शन

8 घंटे के धरने के बाद राहुल-प्रियंका हिरासत में

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली: वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ आकाशवाणी में धरने पर बैठे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को पुलिस ने हटाया है. इन दोनों नेताओं के अलावा केसी वेणुगोपाल और दीपेंद्र हुड्डा समेत कई और लोगों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है. इन्हें किंग्सवे कैंप ले जाने की जानकारी मिली है. फिलहाल आकाशवाणी परिसर को खाली कराया जा रहा है. इससे पहले बीते 8 घंटों से धरना दे रहे राहुल गांधी ने कांग्रेसियों के साथ मिलकर यहीं पर रात गुजारने की तैयारी कर ली थी. आकाशवाणी चुनाव आयोग की इमारत के एकदम पास में है. राहुल गांधी का कहना था कि हमें मुख्य चुनाव आयुक्त और दो अन्य आयुक्तों से मिलना है. उनसे मिले बिना हम वापस नहीं लौटेंगे. इसका संदेश भी कांग्रेस ने चुनाव आयोग को भेजा था. कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के ख़िलाफ़ कांग्रेस का प्रदर्शन कल भी जारी रहेगा. खरगे ने सभी सांसदों को दिल्ली में रहने के निर्देश दिए हैं. कांग्रेस सूत्र का कहना है कि दोनों चुनाव आयुक्तों समेत मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाक़ात का समय लेने के लिए कांग्रेस ने औपचारिक तौर पर चिट्ठी भेजी है. चुनाव आयोग की तरफ से कोई अधिकारी आ कर यदि आने वाले एक-दो दिनों में मुलाक़ात का भरोसा दे तो राहुल गांधी आज का अपना धरना खत्म कर सकते हैं. हालांकि राहुल गांधी की शर्त यही है मुलाक़ात सभी तीन सौ सांसद करेंगे. अब तक कांग्रेस की इस मांग पर चुनाव आयोग की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. माना जा रहा है कि चुनाव आयोग ने यदि मुलाकात का समय भी दिया तो वह शायद इतनी बड़ी संख्या में सांसदों से मुलाकात से इनकार कर दे.







मुख्यमंत्री भगवंत मान के कैंप ऑफिस पर सीबीआई की रेड

ट्रांसफर-पोस्टिंग और सरकारी ठेकों में भ्रष्टाचार का आरोप

जिम्मेदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चंडीगढ़ स्थित कैंप ऑफिस में मंगलवार शाम छापा मारा। CBI की टीमें मोहाली और संगरूर भी पहुंचीं। संगरूर में CM के OSD राजबीर सिंह घुम्मन के घर और मोहाली में उनके भाई के घर पर जांच चल रही है। यह कार्रवाई पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश के बाद की गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने सीएम आफिस में ट्रांसफर-पोस्टिंग और करप्शन के आरोप लगाए थे। ED ने सीएम के OSD राजबीर सिंह घुम्मन को मुख्य आरोपी बनाया था पर पुलिस ने उनके खिलाफ FIR नहीं दर्ज की। मामला हाईकोर्ट पहुंचा और 5 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने OSD के खिलाफ FIR दर्ज करने और CBI जांच का आदेश दिया। पंजाब सरकार इस मामले की अर्जेंट सुनवाई के लिए मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंची, लेकिन यह मांग खारिज कर दी गई।



एफआईआर दर्ज न होने पर हाईकोर्ट पहुंची ईडी

ED के पत्र के बाद पंजाब पुलिस ने मामले को सीधे एफआईआर में बदलने के बजाय ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन से कानूनी राय मांगी। इसी बीच ED ने दोबारा पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की। सितंबर में ED ने हाईकोर्ट को बताया कि पंजाब पुलिस को उसकी ओर से कई पत्र भेजे जा चुके हैं, लेकिन FIR दर्ज नहीं हुई। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने अगस्त 2026 में इस मामले पर पंजाब सरकार से जवाब मांगा। कोर्ट ने कहा कि लगाए गए आरोप गंभीर प्रकृति के हैं।

भतीजे आकाश को ससुर ने बिगाड़ा : मायावती

बयान

शादी से पहले कभी पार्टी से नहीं निकालना पड़ा, गलती का एहसास हुआ इसलिए वापस लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । बसपा सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को फिर से पार्टी में वापस लेने के फैसले पर सफाई दी है। उन्होंने कहा- आकाश आनंद को शादी से पहले कभी पार्टी से नहीं निकालना पड़ा। तब वे पार्टी में काफी सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

शादी के बाद ससुर अशोक सिद्धार्थ ने आकाश को बरगलाया। स्वार्थ के लिए आकाश की छवि खराब करने की कोशिश की। ऐसे में आकाश को सुधारने के लिए उन्हें कई बार पार्टी से अलग करना पड़ा। बाद में गलती का एहसास होने पर आकाश को माफ किया।

मायावती ने सोमवार को भतीजे आकाश को 31 दिन बाद BSP का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया था। इससे पहले 3 सितंबर को उन्हें पद से हटाया था। मायावती अब तक 3 बार आकाश को पद से हटा चुकी हैं। हर बार उन्हें वापस पद दिया गया है।



एक दिन पहले ही मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी में वापस लेते हुए उन्हें पुरानी जिम्मेदारी सौंपी थी। 2 अक्टूबर को आकाश आनंद ने X पर मायावती को अपना राजनीतिक गुरु, प्रेरणा और रहबुआ मांद बताया था। उन्होंने लिखा था कि बसपा ही उनका परिवार है। वे किसी अन्य दल में नहीं जाएंगे। उन्होंने अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने के फैसले का भी समर्थन किया था। 2017 में आकाश आनंद सहारनपुर की जनसभा में मायावती के साथ दिखे थे। इसके बाद वह लगातार पार्टी का काम कर रहे थे। 2019 में उन्हें नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया गया। इसके बाद बसपा-सपा का गठबंधन टूट गया। उस वक्त यह बात सामने आई थी कि आकाश के कहने पर ही मायावती ने गठबंधन तोड़ा।

अशोक सिद्धार्थ के संन्यास के बाद अब ऐसी स्थिति नहीं बनेगी

मायावती ने कहा- मीडिया में यह बात बढ़ा-चढ़ाकर लिखी जा रही है कि आकाश को चार बार पार्टी से निकाला गया और फिर वापस लेकर राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया। अगर मीडिया इस बारे में लिखता है तो उसे यह बताना चाहिए कि शादी से पहले कभी आकाश ने शिकायत का मौका नहीं दिया। बाद में पार्टी से अलग किए जाने के पीछे क्या परिस्थितियां थीं।

उन्होंने कहा- अब जब अशोक सिद्धार्थ राजनीति से संन्यास ले चुके हैं तो ऐसी कोई स्थिति पैदा ही नहीं होनी चाहिए ताकि आकाश को फिर पार्टी से अलग करना पड़े। उम्मीद है कि आकाश अब राजनीति में आगे बढ़ेंगे।

> बसपा में वापसी के बाद आकाश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया। लिखा- आपने मुझे क्षमा किया और बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी दोबारा सौंपी। इस भरोसे के लिए मैं तहे दिल से आपका आभारी हूं। इसे मैं हल्के में कभी नहीं ले सकता। पिछले कुछ समय ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। सबसे बड़ी सीख है कि यह मूवमेंट किसी एक व्यक्ति से कहीं बड़ा है।



आकाश आनंद ने 2017 में सक्रिय राजनीति में एंट्री ली थी।

2022 के हिमाचल विधानसभा चुनाव में पहली बार आकाश आनंद का नाम स्टार प्रचारकों की लिस्ट में आया था। आकाश ने लंदन से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA) की पढ़ाई की है।

आबकारी विभाग राजस्व प्राप्ति में लगायी ऐतिहासिक छलांग

799.59 करोड़ रुपये अधिक राजस्व अर्जित

तमसा संकेत, संवाददाता

- सितम्बर, 2026 में 4,611.29 करोड़ रुपए राजस्व अर्जित, विगत वर्ष इसी माह में प्राप्त राजस्व से 20.98 प्रतिशत अधिक
- अवैध शराब के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यवाही में 59,530 अभियोग दर्ज, 16.18 लाख लीटर अवैध मदिरा/मादक द्रव्य बरामद, 9,522 व्यक्ति गिरफ्तार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की दूरदर्शी नीतियों एवं अवैध शराब के कारोबार और माफिया तंत्र के खिलाफ अपनायी गयी जीरो टॉलरेन्स की नीति से आबकारी विभाग ने राजस्व प्राप्ति में नया कीर्तिमान बनाया है। विगत साढ़े चार वर्षों में विभाग ने राजस्व प्राप्ति और अवैध मदिरा के नियंत्रण में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। संघन प्रवर्तन अभियान और सक्षम तकनीकी निगरानी से किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर पूर्ण नियंत्रण लगाया गया। उन्होंने बताया कि आबकारी विभाग ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 के अर्धवार्षिक (अप्रैल से सितम्बर) में 29,406.50 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्त किया, जो गत वित्तीय वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व 26,149.32 करोड़ रुपए के सापेक्ष 12.46 प्रतिशत अर्थात् 3,257.18 करोड़ रुपए अधिक है। वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 के सितम्बर माह में 4,611.29 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ, जो गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के इसी माह में प्राप्त राजस्व 3,1811.70 करोड़ रुपए के सापेक्ष 20.98 प्रतिशत अर्थात् 799.59 करोड़ रुपए अधिक है।

फास्ट न्यूज

एटीएस अधिकारी बनकर बुजुर्ग से 34 लाख वसूले

लखनऊ। लखनऊ में साइबर जालसाजों ने खुद को ATS अधिकारी बताकर एक बुजुर्ग को एक दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। आरोपियों ने उन्हें उनके नाम से आईसीआईसीआई बैंक खाते से आतंकी गतिविधियों के लिए करोड़ों रुपए की फंडिंग किए जाने का डर दिखाया। फैजुल्लागंज के रहने वाले केशव मुरारी गुप्ता (73) के साथ ठगी हुई है।

12 अक्टूबर तक पूरा होगा फसल क्षति का डिजिटल सर्वे

लखनऊ। योगी सरकार ने हाल में चक्रवात, अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए फसल क्षति का तेजी से और पारदर्शी आकलन कराने के निर्देश दिए हैं। राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों और अपर जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए 12 अक्टूबर तक राहत पोर्टल पर डिजिटल क्रॉप सर्वे के अनुसार फसल क्षति की फीडिंग पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद पात्र किसानों को नियमानुसार सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

सेरेब्रल पाल्सी जागरूकता कार्यक्रम

लखनऊ । लखनऊ में विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस के अवसर पर कीर्ति फाउंडेशन, लखनऊ द्वारा कल्याणपुर स्थित परिसर में सेरेब्रल पाल्सी (CP) से प्रभावित एवं अन्य विशेष बच्चों के लिए जागरूकता, स्वास्थ्य एवं उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष बच्चों की क्षमताओं को पहचानना एवं प्रोत्साहित करना, उनके अभिभावकों को चिकित्सकीय एवं पुनर्वास संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना तथा समाज में विशेष बच्चों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना था।

मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट एवं कॉल सेंटर के संचालन हेतु अधिकारियों का नामांकन



तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। निदेशक, रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश ने जनपद लखनऊ में मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट के वाहनों के संचालन तथा कॉल सेंटर के संचालन का उत्तर-दायित्व मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ को सौंपा गया है। एम0वी0यू0 पर तैनात पशु चिकित्सक, मल्टी टास्किंग पर्सनल एवं चालक सह सहायक कुल तीन सदस्य पूर्व की भांति अपना कार्य करते रहेंगे। लाभार्थियों का पूर्ण विवरण नियमित रूप से रिकॉर्ड किया जाएगा तथा मासिक प्रगति प्रतिवेदन प्रत्येक माह की 5 तारीख तक उपलब्ध कराया जाएगा। एम0वी0यू0 वाहनों के पार्किंग स्टेशन भी यथावत बनाए रखे जाएंगे। उक्त कार्यों के सुचारू संचालन हेतु डॉ. हेमेन्द्र सिंह सोलंकी, उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) मोबाइल नंबर 8376003993, श्री धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, पशुधन प्रसार अधिकारी मुख्यालय मोबाइल नंबर 9450195814, श्री पियूष कुमार, मास्टर फ्लेयर मोबाइल नंबर 9415184493, श्री संजीव कुमार, अपर सांख्यकीय अधिकारी मुख्यालय मोबाइल नंबर 9415755696 तथा श्री अमित सिंह, पशुधन प्रसार अधिकारी मुख्यालय मोबाइल नंबर 8765829340 को नामित किया गया है।

लखनऊ एयरपोर्ट के लेबर कैंप में आग

घटना

प्लास्टिक से बने 17 कमरे जले, जान बचाने के लिए दूसरी मंजिल से कूदा मजदूर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ एयरपोर्ट परिसर में बने लेबर कैंप में मंगलवार सुबह 6:30 बजे आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में तीन मंजिला बिल्डिंग जल गई। धुआं 2 किमी दूर से दिखाई दिया। तुरंत फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां पहुंचीं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

दो मजदूर घायल हुए हैं। एक आग की चपेट में आने से झुलस गया, जबकि दूसरा दूसरी मंजिल से कूदने की वजह से चोटिल हुआ। जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह टर्मिनल से करीब 800 मीटर दूर है। इसे मजदूरों के रहने के लिए अस्थायी तौर पर पीवीसी यानी प्लास्टिक से बनाया गया था।

यही वजह थी कि आग बहुत तेजी से फैली। हालांकि, हादसे से विमानों के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। आग कैसे लगी, इसकी जांच की जा रही है। एयरपोर्ट परिसर की इस बिल्डिंग में बिल्डिंग के प्रत्येक तल में 11 -11 कमरे (कुल 33) कमरे हैं। लेकिन जले सिर्फ 17 हैं। इसमें करीब 300 मजदूर रहते हैं। वे परिसर में एक होटल का निर्माण कर रहे हैं।



आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां पहुंचीं और आग पर काबू पाया।

स्टेशन फायर ऑफिसर (SFO) सुमित प्रताप सिंह ने बताया-बिहार के रहने वाले मजदूर निर्मल (30) आग की चपेट में आकर मामूली रूप से झुलस गया। वहीं, प्रतापगढ़ के रहने वाले राहुल कुमार (26) दूसरी मंजिल से कूदने से चोटिल हो गए। दोनों को कृष्णानगर के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।



मजदूर बोले- सारा सामान जलकर राख हो गया

सीतापुर के रहने वाले रामपाल ने बताया- मैं नाइट ड्यूटी के बाद सो रहा था। इसी दौरान नीचे वाले फ्लोर पर आग लग गई। देखते ही देखते 15 कमरे जल गए। मैं ऊपर वाले कमरे में था, इसलिए किसी तरह जान बच गई। आग में कपड़े और पैसे जलकर राख हो गए। मूलचंद ने बताया- मैं एक हफ्ते से यहां काम कर रहा हूं। रात 3 बजे तक ड्यूटी की, फिर जाकर सो गया। इसके बाद शोर हुआ तो पता चला कि आग लग गई है। फिर जान बचाकर भागे। सामने रखा सारा सामान जलकर राख हो गया।

बीजेपी के 8 प्रत्याशियों ने राज्यसभा का पर्चा भरा, भाजपाई से भिड़ा सुरक्षाकर्मी

प्रियंका रावत ने योगी के पैर छूकर नामांकन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी राज्यसभा चुनाव में भाजपा के 8 प्रत्याशियों ने मंगलवार को नामांकन दाखिल कर दिया। बाराबंकी की पूर्व सांसद प्रियंका रावत, श्रुति गंगवार और गोपीकृष्ण पांडेय ने सीएम योगी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। सबसे पहले धर्मपाल सिंह और सबसे आखिर में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार की बेटी श्रुति गंगवार ने पर्चा दाखिल किया। इस दौरान भीड़ इतनी थी कि आपाधापी में विधानसभा के समिति कक्ष के दरवाजे के शीशे टूट गए। नामांकन के बाद एक भाजपा कार्यकर्ता की विधानसभा के सुरक्षाकर्मी से बहस हो गई। देखते ही देखते धक्का-मुक्की और गाली-गलौज होने लगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव कर दोनों को शांत कराया। इसका वीडियो भी सामने आया है। सपा के राम गोपाल यादव और धनराज परिमल नथवानी पहले ही नामांकन दाखिल कर चुके हैं। मंगलवार को अखिलेश यादव ने तीसरा उम्मीदवार उतारने से इनकार कर दिया। ऐसे में राज्यसभा की सभी 10 सीटों पर उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा है। पीयूष गोयल को पहले ही भाजपा का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया जा चुका है। लिहाजा मोदी मंत्रिमंडल से तीन मंत्रियों को हटना तय है।



भाजपा के आठों राज्यसभा कैंडिडेट नए, इनमें 2 ब्राह्मण

यूपी भाजपा के सभी प्रत्याशी नए हैं। इनमें 2 ब्राह्मण, 1 ठाकुर, 3 पिछड़े और 2 दलित हैं। पिछड़े वर्ग में एक लोधी, एक कुर्मी और एक पाल समाज से हैं। वहीं, दलित वर्ग में एक खटीक और एक पासी समाज से हैं। पीएम मोदी के मंत्रिमंडल में शामिल बीएल वर्मा और हरदीप सिंह पुरी का टिकट काट दिया। दिनेश शर्मा अंडमान निकोबार के उपराज्यपाल बनाए गए हैं। मौजूदा राज्यसभा सांसद नीरज शेखर, सीमा द्विवेदी, बृजलाल, गीता शाक्य, अरुण सिंह को भी दोबारा मौका नहीं मिला।

मोदी मंत्रिमंडल से 3 मंत्रियों की छुट्टी होने की संभावना

लिस्ट में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री पुरी और राज्य मंत्री वर्मा का नाम नहीं है। उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल के लिए भी BJP ने दूसरे नाम घोषित किए हैं। यानी फिलहाल इन दोनों के लिए राज्यसभा में लौटने का रास्ता बंद हो गया है। पुरी के लिए अगला संभावित रास्ता 2027 में खाली होने वाली राज्यसभा सीटें हो सकती हैं। अप्रैल 2027 में केरलम की 3 सीटों का कार्यकाल खत्म होगा, लेकिन वहां BJP के मौजूदा विधानसभा संख्या-बल को देखते हुए पुरी का वहां से राज्यसभा पहुंचना आसान नहीं माना जा सकता। पुरी का राज्यसभा कार्यकाल 25 नवंबर 2026 को खत्म हो रहा है। संविधान के अनुच्छेद 75(5) के तहत वे लगातार 6 महीने तक ही सांसद बने बिना केंद्रीय मंत्री रह सकते हैं।

> नामांकन के बाद भाजपा कार्यकर्ता की विधानसभा के सुरक्षाकर्मी से बहस हो गई। देखते ही देखते धक्का-मुक्की और गाली-गलौज होने लगी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव कर दोनों को शांत कराया। इसका वीडियो भी सामने आया है।

राइफल से कुत्ते को गोली मारी बाइक रोककर उतरा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में बाइक सवार युवक ने राइफल से कुत्ते को गोली मार दी। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक बाइक रोककर नीचे उतरता है और कुत्ते पर फायर कर देता है। गोली लगते ही कुत्ता वहीं ढेर हो जाता है। मामला तालकटोरा इलाके की है। एक एनजीओ ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। आसरा दी हेल्पिंग हैंड्स एनजीओ की संचालिका चारु खरे ने बताया 6 सितंबर को सुबह करीब 6:30 बजे ग्रीन फील्ड स्कूल विशन ऑप्टिकल राजाजीपुरम के पास एक अज्ञात बाइक सवार गुजर रहा था। उसके पास राइफल थी। तभी कुत्ते भौंकने लगते हैं। गली के पास बाइक सवार अचानक रुकता है और राइफल निकाल कर कुत्ते को गोली मार दी। गोली लगने के कारण कुत्ते की मौत हो गई। उन्होंने कार्रवाई की मांग की है।



घटना पास के एक घर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। वीडियो में बाइक सवार नीली वर्दी पहने दिखाई दे रहा है। जिसके कंधे पर एक राइफल टंगी है। वह गुजरता है तभी कुछ कुत्ते उस पर भौंकने लगते हैं। इसको देखकर वह बाइक रोक लेता है और खड़ा हो जाता है, फिर अपनी जेब से गोली निकलता है। जिसे राइफल में डालता है फिर कुत्ते भोंकते हुए उसके दूसरी तरफ आते हैं। तभी एक कुत्ते पर फायर कर देता है। जिससे कुत्ता मौके पर ही मर जाता है। मामले में इंस्पेक्टर तालकटोरा कुलदीप दुबे का कहना है मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। सीसीटीवी की मदद से आरोपी की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

अनुरोध : दवाओं की मूल्य पारदर्शिता और ट्रेड मार्जिन पर राष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई का किया आग्रह

व्यापक जनहित में दवा कीमतों पर यूपीएफएसडीए का बड़ा कदम

- एनपीपीए को स्थानीय नियामकीय कार्रवाई की दी गई औपचारिक जानकारी, अस्पताल फार्मेसियों में मूल्य पारदर्शिता पर जोर
- अस्पताल फार्मेसियों में दवा की खरीद कीमत और मरीज से वसूली में 67 गुना तक अंतर मिलने के बाद विभाग ने उठाया बड़ा कदम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । मरीजों को दवाएं उचित कीमत पर उपलब्ध कराने और अस्पतालों में दवा मूल्य निर्धारण को पारदर्शी बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (यूपीएफएस-डीए) ने राष्ट्रीय स्तर पर हस्तक्षेप की मांग की है। विभाग की आयुक्त एवं सचिव डॉ. रोशन जैकब ने नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) को पत्र भेजकर दवाओं की खरीद कीमत और मरीज से वसूली जाने वाली कीमत के बीच बड़े अंतर की समस्या पर प्रभावी नियामकीय कार्रवाई का अनुरोध किया है।



उल्लेखनीय है कि यूपी एफएसडीए की ओर से प्रदेश के प्रमुख शहरों में स्थित 22 मेडिकल कॉलेजों और 30 सरकारी एवं निजी अस्पतालों की 200 से अधिक फार्मेसियों में किए गए निरीक्षण में दवाओं, कंज्यूमेबल्स, मेडिकल डिवाइस और न्यूट्रास्यूटिकल्स की अस्पताल खरीद कीमत यानी प्राइस टू रिटेलर (पीटीआर) और मरीज से लिए जाने वाले मूल्य के बीच कई मामलों में बड़ा अंतर सामने आया। कुछ मामलों में यह अंतर 67 गुना तक पाया गया। इसी को देखते हुए विभाग द्वारा एनपीपीए से हस्तक्षेप का अनुरोध करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं।

यूपीएफएसडीए की इस पहल का महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि राज्य स्तर पर की गई स्थानीय प्रशासनिक कार्रवाई को राष्ट्रीय मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के संज्ञान में लाया गया है।

हाई-एमआरपी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन कैपिंग और मूल्य नियंत्रण के दायरे में लाने की सिफारिश

मरीज को मिले अस्पताल की खरीद का लाभ

यूपीएफएसडीए का मूल सवाल यही है कि यदि अस्पताल किसी दवा को निर्माता या सप्लायर से भारी छूट पर खरीद रहा है तो उस खरीद का लाभ मरीज तक किस हद तक पहुंच रहा है। वर्तमान व्यवस्था में पैकेजिंग पर एमआरपी अंकित होता है, जबकि अस्पतालों की संस्थागत खरीद में अक्सर इसबसे अधिक छूटश् के आधार पर सौदे किए जाते हैं। ऐसे में अस्पताल को मिलने वाली वास्तविक खरीद कीमत और मरीज से वसूली जाने वाली कीमत के बीच का अंतर मरीज के सामने स्पष्ट नहीं होता। विभाग ने एनपीपीए को बताया है कि ऐसी स्थिति में एमआरपी को अपेक्षाकृत ऊंचा रखने और उस पर बड़ी छूट देने की गुंजाइश बन सकती है। इससे कागज पर मरीज को एमआरपी माइनसश् के रूप में छूट दिखाई दे सकती है, लेकिन वास्तविक खरीद कीमत और मरीज से वसूले गए मूल्य के बीच का लाभ उसे नहीं मिल पाता।

नवंबर से अस्पताल फार्मेसियों में सार्वजनिक होगी दवाओं की खरीद-बिक्री कीमत

मरीजों के हित में अस्पताल फार्मेसियों को मूल्य सूची प्रदर्शित करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मरीजों को दवाओं की कीमतों को लेकर अधिक पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विभाग ने सभी रिटेल फार्मेसियों को अपनी पब्लिक वेबसाइट तैयार करने और उस पर फार्मेसी से जुड़ी जरूरी सूचनाएं सार्वजनिक करने के निर्देश दिए हैं। वहीं अस्पताल परिसरों में संचालित फार्मेसियों को मरीजों के हित में दवाओं की खरीद दर और बिक्री दर के आधार पर मूल्य सूची प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस व्यवस्था का क्रियान्वयन 1 नवंबर 2026 से अपेक्षित है।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि पूर्व में जारी कार्यालय आदेश के तहत सभी रिटेल फार्मेसियों को अपनी एक सार्वजनिक वेबसाइट बनाते हुए उस पर लाइसेंस संख्या, नियुक्त फार्मासिस्ट, लाइसेंसी परिसर तथा स्टॉक संबंधी विवरण प्रदर्शित करना होगा। वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी को साप्ताहिक रूप से अपडेट भी करना होगा।

- यूपीएफएसडीए ने सभी रिटेल फार्मेसियों को पब्लिक वेबसाइट बनाने के निर्देश दिए, लाइसेंस, फार्मासिस्ट और साप्ताहिक स्टॉक की जानकारी भी होगी ऑनलाइन'
- 1 नवंबर 2026 से व्यवस्था लागू करने की तैयारी
- नवरात्रि त्योहार के मद्देनजर व्यापारियों के हित में 11 अक्टूबर 2026 से नए थोक बिक्री लाइसेंस जारी किए जाने पर लगी रोक हटाने का निर्णय

विभाग ने अस्पतालों में संचालित फार्मेसियों को लेकर विशेष निर्देश जारी किए हैं। अस्पताल परिसर में स्थित ऐसी फार्मेसियां जहां मरीजों के पास दवाएं या अन्य चिकित्सा संबंधी उत्पाद खरीदने के लिए व्यावहारिक विकल्प उपलब्ध नहीं होता, वहां मरीजों के हित में दवाओं की वास्तविक खरीद दर और बिक्री दर के आधार पर मूल्य सूची प्रदर्शित करनी होगी। इस कदम का उद्देश्य दवाओं की कीमतों में पारदर्शिता बढ़ाना और मरीजों को यह जानकारी उपलब्ध कराना है कि संबंधित दवा किस कीमत पर खरीदी गई और किस कीमत पर मरीज को उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्नाव के पुरवा में चार दिन बिजली रहेगी बंद

बीघापुर में बिजली उपकेंद्र के काम के चलते शटडाउन, 7 से 10 अक्टूबर तक कटौती

कटौती

तमसा संकेत, एजेंसी

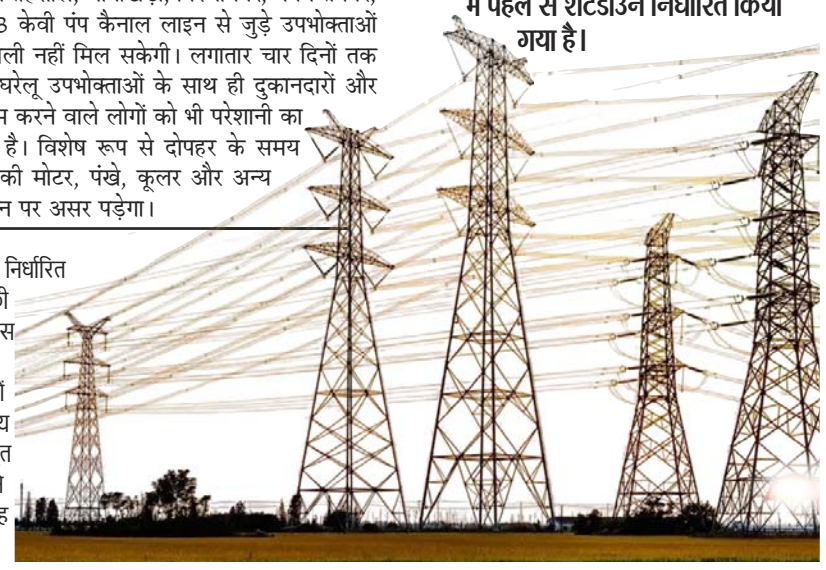
उन्नाव। पुरवा क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को 7 से 10 अक्टूबर तक लगातार चार दिनों तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। बीघापुर स्थित 132/33 केवी विद्युत उपकेंद्र में 33 केवी मेन बस बार को मजबूत करने का काम किया जाएगा। इसके चलते बिजली विभाग ने प्रतिदिन चार घंटे का शटडाउन लेने का निर्णय लिया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग के अनुसार उपकेंद्र में चलने वाला यह कार्य विद्युत व्यवस्था को अधिक मजबूत और सुरक्षित बनाने के लिए किया जा रहा है।



कई उपकेंद्रों से जुड़े उपभोक्ता होंगे प्रभावित

पुरवा के अधिशासी अभियंता विमल कुमार ने बताया कि शटडाउन के दौरान बीघापुर और आसपास के कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। 33/11 केवी बीघापुर, पाटन तहसील, धानीखेड़ा, गिरजानगर, भगवन्तनगर, भगवन्तनगर टाउन और 33 केवी पंप कैनाल लाइन से जुड़े उपभोक्ताओं को निर्धारित समय में बिजली नहीं मिल सकेगी। लगातार चार दिनों तक होने वाली इस कटौती से घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही दुकानदारों और अन्य बिजली आधारित काम करने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विशेष रूप से दोपहर के समय बिजली बंद रहने से पानी की मोटर, पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरणों के संचालन पर असर पड़ेगा।

विभाग का कहना है कि 33 केवी मेन बस बार को मजबूत करने का कार्य पूरा होने के बाद विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित और बेहतर होगी। तकनीकी कार्य के दौरान संभावित जोखिम को देखते हुए संबंधित क्षेत्रों में पहले से शटडाउन निर्धारित किया गया है।



बिजली व्यवस्था मजबूत करने के लिए होगा काम

बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 7 से 10 अक्टूबर के बीच सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली कटौती को ध्यान में रखते हुए जरूरी तैयारियां कर लें। लोगों को सलाह दी गई है कि बिजली से जुड़े आवश्यक कार्य शटडाउन से पहले पूरा कर लें। पानी की जरूरत को देखते हुए घरेलू उपभोक्ता पहले से पानी की व्यवस्था कर लें और बिजली से चलने वाले जरूरी उपकरणों के लिए भी वैकल्पिक इंतजाम रखें। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक निर्धारित समय के दौरान तकनीकी कार्य पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। कार्य पूरा होने के बाद संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी। कि विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा यह कार्य आवश्यक है।

आलू की माला पहनकर कलेक्ट्रेट पहुंचे किसान

आलू नीति बनाने की मांग, बोले- उपज का सही मूल्य नहीं मिल रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। आलू किसानों को फसल का उचित मूल्य नहीं मिलने और आलू कारोबार से जुड़े व्यापारियों, आढ़तियों व शीतगृह संचालकों के आर्थिक संकट का हवाला देते हुए मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में किसानों ने प्रदर्शन किया। किसान आलुओं की माला पहनकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। किसान आंदोलन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजय अनमोल के नेतृत्व में दोपहर करीब एक बजे मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि को सौंपा गया। इसमें आलू किसानों के हित में आलू नीति बनाने समेत छह प्रमुख मांगें उठाई गईं। अजय अनमोल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में आलू किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। इससे किसान



लगातार आर्थिक नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ आलू के कारोबार से जुड़े व्यापारी, उद्यमी, निर्यातक, आढ़ती और शीतगृह स्वामी भी संकट में हैं। इसी को लेकर 7 सितंबर से फर्रुखाबाद से प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि आंदोलन के तहत 17 सितंबर को कन्नौज और 25 सितंबर को कानपुर कमिश्नरी का घेराव किया गया था। अब उन्नाव में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। अजय अनमोल ने कहा कि उनकी प्रमुख मांग आलू की अलग नीति बनाने की है।

फास्ट न्यूज

उन्नाव कलेक्ट्रेट में 2900 आशा और संगिनियों ने दिया धरना

उन्नाव। उन्नाव में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे जिलेभर की आशा और आशा संगिनी कार्यकर्ता अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्र हुईं। करीब 2900 आशा और आशा संगिनियों ने सरकार से उन्हें राज्य कर्मचारी का दर्जा देने और मानदेय बढ़ाने की मांग की। अछलगंज सीएचसी की आशा संगिनी अनीता कुशवाहा ने बताया कि वर्ष 2006 में आशा कार्यकर्ताओं का चयन हुआ था। उस समय उन्हें प्रोत्साहन राशि के रूप में 600 रुपए मिलते थे।

बाराबंकी कचहरी में वाहनों की एंट्री बंद

बाराबंकी। बाराबंकी में जिला न्यायालय परिसर के गेट नंबर-1 से अधिवक्ताओं के वाहनों की एंट्री बंद करने का विरोध तेज हो गया है। मंगलवार सुबह 10:30 बजे को जिला बार एसोसिएशन के बुलावे पर अध्यक्ष रमन लाल द्विवेदी, महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, मंत्री प्रकाशन अमित सिंह सूर्यवंशी, पुस्तकालय अध्यक्ष रूबी सिंह समेत सैकड़ों अधिवक्ता सामूहिक अवकाश पर रहे। अधिवक्ताओं ने कहा कि रोक से बुजुर्ग और चलने में असमर्थ अधिवक्ताओं को परेशानी हो रही है। अध्यक्ष द्विवेदी ने सवाल उठाया कि जब अन्य जरूरी वाहनों को प्रवेश मिल रहा है, तो उन पर रोक क्यों है।

किसानों ने उपजाऊ जमीन अधिग्रहण का विरोध किया

रायबरेली। रायबरेली विकास प्राधिकरण द्वारा बहु-फसली एवं अत्यंत उपजाऊ कृषि भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया के विरोध में मंगलवार दोपहर 12 बजे को भारी संख्या में किसान जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। किसानों ने जिलाधिकारी को संबोधित एक आपत्ति प्रार्थना पत्र सौंपकर भूमि अधिग्रहण रोकने तथा किसानों की आजीविका की रक्षा करने की मांग की है।

हरदोई में ईंट-भट्ठे के बेलदार ने की आत्महत्या

थानाध्यक्ष बोले पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद में सुरसा थाना क्षेत्र के ज्यूरा गांव में 18 वर्षीय युवक का शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। मृतक के पिता ने दावा किया सोमवार की रात गांव में बच्चों-बच्चों में लड़ाई हुई थी। इसमें उनके पुत्र को पीट दिया गया था। जिससे वह आहत था। थानाध्यक्ष विश्वास शर्मा ने बताया कि मंगलवार की सुबह करीब 7 बजे परिजनों की सूचना के बाद शव को फंदे से नीचे उतरवाया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ज्यूरा गांव निवासी मेवाराम का 18 वर्षीय पुत्र मनीष ईंट-भट्ठे पर



माता-पिता आरोपियों के घर उलाहना देने गए थे। पिटाई से पुत्र आहत था।

बेलदारी का काम करता था। वह पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा था और अविवाहित था। पिता मेवाराम ने बताया कि सोमवार की रात गांव में बच्चों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसी रंजिश के चलते गांव के तीन लोगों ने मनीष की बीच गांव में पिटाई कर दी। इस अपमान से क्षुब्ध होकर मनीष घर पहुंचा और अपनी मां कमला देवी को पूरी बात बताई। इसके बाद माता-पिता आरोपियों के घर उलाहना देने गए थे। पिटाई से पुत्र आहत था। मेवाराम मनीष के कमरे की ओर गए। वहां उन्हें कमरा अंदर से बंद मिला। उन्होंने दरवाजा खुलवाने के लिए आवाज लगाई, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। सुबह के समय जब परिजनों ने अंदर झांककर देखा, तो मनीष का शव गमछे के सहारे फंदे पर लटक रहा था। यह दृश्य देखकर पिता की चीख निकल गई। मौके पर अन्य परिजन व गांव वाले इकट्ठा हो गए। पुलिस को सूचना दी गई।

गंगा का जलस्तर 23 सेंटीमीटर घटा

अभी भी चेतावनी बिंदु से 46 सेंटीमीटर ऊपर, लोगों की मुश्किलें बरकरार

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। गंगा के जलस्तर में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार रात खतरे के निशान को पार करने के बाद शनिवार को जलस्तर 113.08 मीटर तक पहुंच गया था। रविवार शाम छह बजे जलस्तर तीन सेंटीमीटर घटकर 112.97 मीटर पर पहुंचा। इसके बाद सोमवार सुबह आठ बजे केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार जलस्तर 112.79 मीटर दर्ज किया गया। मंगलवार सुबह जलस्तर 112.56 मीटर रहा। पिछले 24 घंटे में गंगा के जलस्तर में 23 सेंटीमीटर की कमी आई है। हालांकि पानी अभी भी चेतावनी बिंदु 112 मीटर से 46 सेंटीमीटर ऊपर है। ऐसे में जलस्तर घटने के बावजूद तटीय और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की मुश्किलें पूरी तरह कम नहीं हुई हैं। गंगा के खतरे के निशान को पार करने के



बाद शुक्लागंज और आसपास के तटीय इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई थी। गोताखोर, कर्बला, हुसैन नगर, तेजीपुरवा और सैय्यद कंपाउंड समेत आसपास के क्षेत्रों में पानी पहुंच गया था। कई जगह घरों और रास्तों के आसपास पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी हुई।

जलस्तर घटने लगा है, लेकिन निचले इलाकों में पानी पूरी तरह नहीं निकलने से स्थिति सामान्य नहीं हुई है। शहर के रविदास नगर, मालवीय नगर, श्रीनगर और इंद्रानगर में भी बाढ़ का पानी पहुंचने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई संपर्क मार्गों पर अब भी पानी भरा होने के कारण लोगों को दूसरे रास्तों से आवागमन करना पड़ रहा है। जलस्तर में लगातार हो रही गिरावट से लोगों को राहत की



उम्मीद जगी है। हालांकि निचले इलाकों से पानी निकलने में अभी समय लगने की संभावना है। गंगा के खतरे के निशान से ऊपर पहुंचने का असर ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिला। गगनीखेड़ा और फत्तेखेड़ा समेत कई गांवों में बाढ़ का पानी दोबारा पहुंच गया। गांवों को जोड़ने वाले संपर्क मार्गों पर पानी भरने से ग्रामीणों के आवागमन में परेशानी हुई। नेतुआ स्थित कान्हा गौशाला में भी बाढ़ का पानी दोबारा प्रवेश कर गया। त्रिभुवनखेड़ा पावर हाउस के पास भी पानी पहुंचने से स्थिति पर नजर रखी जा रही है। जलस्तर में कमी के बावजूद प्रशासन और ग्रामीणों की निगाह गंगा के जलस्तर पर बनी हुई है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को फिलहाल सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि जलभराव वाले क्षेत्रों में आवागमन अभी भी चुनौती बना हुआ है।

गौशालाओं की बदहाली पर प्रदर्शन

गौ रक्षकों ने चारा-पानी और इलाज में लापरवाही के लगाए आरोप, कलेक्ट्रेट में दिया धरना

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गौवंश की दुर्दशा और गौशालाओं में अव्यवस्थाओं का आरोप लगाते हुए मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे गौ रक्षकों, विश्व हिंदू परिषद और विभिन्न युवा संगठनों से जुड़े लोगों ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जिले की गौशालाओं में पर्याप्त चारा-पानी नहीं मिलने और बीमार व घायल गौवंश के उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने व्यवस्थाओं में सुधार की मांग को लेकर अधिकारियों को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। धरने में शामिल गौ सेवक शिवम रावत ने कहा कि उन्नाव जिले की कई गौशालाओं में गौवंश की स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि गौशालाओं में व्यवस्थाओं के नाम पर धांधली और भ्रष्टाचार किया जा रहा है।



एफआईआर दर्ज किए जाने का आरोप

शिवम रावत ने कहा कि वह करीब एक महीने पहले भी गौवंश की समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट में धरने पर बैठे थे। इसके बाद रसूलाबाद भी गए थे, लेकिन वहां भी उनके खिलाफ गलत तरीके से एफआईआर दर्ज किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य जिले की सभी गौशालाओं की व्यवस्थाओं को बेहतर कराना है।

अधिकारियों की ओर से आश्वासन

उन्होंने बताया कि बघाखेड़ा, कुरारी कलां, बीरसिंहपुर समेत कई गौशालाओं को लेकर पूर्व में भी शिकायतें की जा चुकी हैं। उनका आरोप है कि शिकायतों के निस्तारण के नाम पर सिर्फ कागजी कार्रवाई की जाती है। अधिकारियों की ओर से आश्वासन तो दिया जाता है, लेकिन बाद में रिपोर्ट बदल दी जाती है और जमीनी स्थिति जस की तस बनी रहती है।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि गौशालाओं का नियमित निरीक्षण कराया जाए और वहां गौवंश के लिए पर्याप्त मात्रा में चारा और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जाए।

बीमार और घायल पशुओं के उपचार के लिए पशु चिकित्सकों की नियमित व्यवस्था करने की भी मांग की गई। उन्होंने कहा कि गौवंश की मौत के मामलों की जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

शिवम रावत ने कहा कि कई महीनों से वह इस मामले को लेकर अधिकारियों के सामने अपनी बात रखने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन अभी तक जिलाधिकारी से आमने-सामने वार्ता नहीं हो सकी है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से समस्याओं का स्थायी समाधान कराने और शिकायतों का निष्पक्ष तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने की मांग की।

पुतला फूंकने निकले सपाइयों से पुलिस ने छीना पुतला

हरदोई में बाइक पर लादकर ले गई, पुलिस-सपा कार्यकर्ताओं में नोकझोंक

- **पुलिस ने पुतला दहन से ठीक पहले कार्यकर्ताओं से पुतला छीन लिया और उसे बाइक पर लादकर अपने साथ ले गई।**
- **चेतावनी दी कि यदि ज्ञानेश कुमार ने जल्द इस्तीफा नहीं दिया तो समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता आने वाले समय में विधानसभा स्तर पर बड़े पैमाने पर उनका पुतला दहन करेंगे।**

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतला दहन को लेकर सपा



कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच नोकझोंक हो गई। सपा अल्पसंख्यक सभा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष सईद अहमद के नेतृत्व में कार्यकर्ता पुतला फूंकने के लिए निकले थे। निरीक्षण भवन के पास पुलिस ने पुतला दहन से ठीक पहले कार्यकर्ताओं से पुतला छीन लिया और उसे बाइक पर लादकर अपने साथ ले गई। पूर्वाह्न करीब 11 बजे सपा कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय से निरीक्षण भवन की ओर मार्च करते हुए पहुंचे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ताओं को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला जलाना था। जैसे ही उन्होंने पुतले में आग लगाने का प्रयास किया, वहां भारी पुलिस बल पहुंच गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार्यकर्ताओं के हाथ से पुतला छीन लिया और मौके से हटा दिया। पुलिस की कार्रवाई से नाराज सपा कार्यकर्ताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार के साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद कार्यकर्ता कतारबद्ध होकर अंबेडकर पार्क पहुंचे। यहां उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और शांतिपूर्ण तरीके से वापस लौट गए।

धरना-प्रदर्शन : उन्नाव में अन्नू टंडन बोलीं- विपक्ष की आवाज दबाना बर्दाश्त नहीं

अखिलेश यादव की हिरासत के विरोध में सपा का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। दिल्ली में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिए जाने के विरोध में मंगलवार दोपहर करीब दो बजे समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। सपा नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मामले पर विरोध जताया। जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपकर शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन के संवैधानिक अधिकार की रक्षा करने की मांग की। धरने में शामिल सपा की राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व



सांसद अन्नू टंडन ने कहा कि दिल्ली में विपक्षी नेताओं की ओर से शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन किया जा रहा था। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने वाले नेताओं को हिरासत में लिया गया, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। सपा इसका विरोध करती है। अन्नू टंडन ने कहा कि संविधान में प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल को अपनी बात रखने तथा शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का अधिकार दिया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की आवाज को दबाया नहीं जाना चाहिए। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने मांग की कि



समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया।

देश में संवैधानिक मर्यादाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की हिरासत की जानकारी मिलने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। सपा कार्यकर्ता और सहयोगी इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास किया गया तो पार्टी कार्यकर्ता इसका लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेंगे। अन्नू टंडन से जब उनके चुनाव में कम अंतर से हारने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इस सवाल का जवाब देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने मीडिया से कहा कि नारों और घटनाक्रम से सही और गलत का आकलन किया जा सकता है।

प्रदर्शन के दौरान सपा नेताओं ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेना उचित नहीं है। ज्ञापन में हिरासत में लिए गए नेताओं के मामलों में उचित कार्रवाई करने और भविष्य में इस तरह की कार्रवाई से बचने की मांग की गई।

रोड किनारे पड़ा मिला युवक का शव

हरदोई। हरदोई जनपद में बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के तरौली संपर्क मार्ग के पास मंगलवार की सुबह करीब 9:30 बजे एक 43 वर्षीय युवक गंभीर हालत में बेहोश पड़ा मिला। स्थानीय लोगों और परिजनों की सूचना पर पुलिस ने उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान होने के कारण प्रथम दृष्टया यह आशंका जताई गई कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से यह दुर्घटना हुई है। मृतक की पहचान बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के तरौली गांव निवासी रहीश (पुत्र हुरमत अली) के रूप में हुई है। मृतक की पत्नी खुर्शीदा ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके पति खेती-किसानी का कार्य करते थे। सोमवार शाम करीब 4 बजे वह खेत पर जाने की बात कहकर घर से निकले थे, जिसके बाद वे वापस नहीं लौटे।

जहरीले पानी से फसलें खराब होने का आरोप

3 दिन में मुआवजा न मिलने पर 9 अक्टूबर से धरने की चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव। किसानों और पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं को लेकर मंगलवार दोपहर करीब दो बजे भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। किसान नेताओं ने फैक्ट्रियों और स्लाटर हाउसों से निकलने वाले अपशिष्ट के कारण प्रदूषण फैलने का आरोप लगाते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। साथ ही दूषित पानी से फसलों को हुए नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग की गई। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष किरण सिंह पटेल के नेतृत्व में किसानों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। इसमें आरोप लगाया गया कि दही चौकी क्षेत्र के चांदपुर ग्राम सभा में फैक्ट्रियों से छोड़ा जा रहा दूषित और जहरीला पानी खेतों



तक पहुंच रहा है। इससे सैकड़ों किसानों की धान की फसल प्रभावित हुई है। किसानों का कहना है कि फसलें पहले अच्छी स्थिति में थीं, लेकिन फैक्ट्रियों के दूषित पानी के कारण खराब हो गईं। किसान नेताओं ने कहा कि लोन नदी में फैक्ट्रियों का जहरीला पानी छोड़े जाने से नदी के साथ आसपास के खेत भी प्रभावित हो रहे हैं। स्लाटर हाउसों का अपशिष्ट खुले में डाले जाने से दुर्गंध और वायु प्रदूषण फैलने का भी आरोप लगाया गया। किसानों ने मांग की कि प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों की जांच कर दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाए।

सम्पादकीय

महिला सुरक्षा का प्रश्न



सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर यह सही कहा कि अपराधी तत्वों के मन में इसका भय होना चाहिए कि वे कुछ करेंगे तो पकड़े जाएंगे। उसकी ओर से यह टिप्पणी दिल्ली-एनसीआर में महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाओं के संदर्भ में की गई। उसने यह भी कहा कि हर महिला को सुरक्षित महसूस करना चाहिए-चाहे वह रात में सड़क पर पैदल चल रही हो या मेट्रो और बस से यात्रा कर रही हो। यह स्थिति केवल दिल्ली-एनसीआर में ही नहीं, पूरे देश में बननी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस को कुछ सुझाव भी दिए। निःसंदेह पुलिस को सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त उसे लोगों और विशेष रूप से महिलाओं का भरोसा जीतने की भी जरूरत है, ताकि वे अपनी सुरक्षा संबंधी चिंताओं से उसे बेहिचक अवगत करा सकें। पुलिस को एक ओर जहां संवेदनशील बनना होगा, वहीं दूसरी ओर अपराधियों के प्रति और सख्त रवैया भी अपनाना होगा। यह रवैया हर किस्म के अपराधियों के प्रति अपनाने की आवश्यकता है। इसमें दोराय नहीं हो सकती कि पुलिस से महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के अतिरिक्त अन्य अपराधों के मामले में भी बहुत कुछ करने की अपेक्षा है। इसमें यह भी शामिल है कि वह अपनी जांच-पड़ताल में तेजी लाए, लेकिन ऐसी ही तेजी न्यायिक तंत्र को भी दिखानी होगी।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अन्य अनेक मामलों की तरह महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मुकदमों में भी तारीख पर तारीख का सिलसिला कायम रहता है। यदि कभी निचली अदालतों से समय रहते फैसला आ भी जाता है तो उच्चतर अदालतों में देर हो जाती है। जब न्याय में देरी होती है तो इससे अपराधी तत्वों को राहत तो मिलती ही है, समाज को सही संदेश भी नहीं जाता।

ऐसे भी उदाहरण हैं, जब कोई वर्षों जेल की सलाखों के पीछे पड़ा रहता है और बाद में वह निर्दोष पाया जाता है। यह अच्छी बात है कि गत दिवस गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नई न्याय संहिता के चलते निचली अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में तीन वर्ष के भीतर फैसला होगा, लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पुलिस के साथ वकीलों और न्यायाधीशों को भी अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करना होगा। यह ठीक नहीं कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध संबंधी कानून कठोर किए जाने के बाद भी ऐसे अपराध कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। ऐसा क्यों हो रहा है, इस पर पुलिस के साथ न्यायिक तंत्र, दोनों को ही विचार करना होगा। इसी के साथ यह भी आवश्यक है कि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों को लेकर समाज भी चेते। भारत जैसे पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव समय की मांग है।

बेहतर विकल्प एवं जरूरी मुद्दों का अभाव ही विपक्ष की अक्षमता



भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि यहां कोई भी सरकार स्थायी नहीं होती और कोई भी विपक्ष हमेशा के लिए विपक्ष नहीं रहता। सत्ता के लंबे कार्यकाल के बाद स्वाभाविक रूप से सरकार के प्रति उकताहट पैदा होती है। लेकिन उकताहट और सत्ता परिवर्तन के बीच एक बड़ा अंतर है। मतदाता किसी सरकार से नाराज हो सकता है, उसके कामकाज पर सवाल उठा सकता है, फिर भी केवल नाराजगी के आधार पर किसी ऐसे विकल्प को स्वीकार नहीं करता, जिसके पास देश के भविष्य की स्पष्ट रूपरेखा न हो, जो सत्ता का लालची एवं बेहतर विकल्प से वंचित हो। आज भारतीय राजनीति में विपक्ष के सामने मूल प्रश्न यही है-क्या वह केवल सरकार से असंतुष्ट है या जनता के सामने कोई विश्वसनीय विकल्प भी रख रहा है? राहुल गांधी लंबे समय से यह सवाल उठा रहे हैं कि मोदी सरकार के प्रति अपेक्षित एंटी-इंकंबेंसी दिखाई क्यों नहीं देती। उनका आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के कारण जनता की वास्तविक इच्छा सामने नहीं आ पा रही। इन आरोपों के समर्थन में उनके द्वारा प्रस्तुत दावों को लेकर राजनीतिक और कानूनी बहस जारी है, उन्हें अंतिम रूप से सिद्ध तथ्य मानना अभी उचित नहीं होगा। लेकिन इतना जरूर है कि चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची और निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता पर उठने वाले प्रत्येक प्रश्न का निष्पक्ष और तथ्यात्मक उत्तर मिलना लोकतंत्र के हित में है। इसी संदर्भ में एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विवाद महत्वपूर्ण हो गया है। निर्वाचन आयोग स्वयं एसआईआर-2026 से संबंधित मतदाता सेवाएं और मतदाता सूची उपलब्ध करा रहा है तथा वह अपने को स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण बताता है। दूसरी ओर विपक्ष ने इस प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस विवाद को अब सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती मिली है। इस पूरे मामले का अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक नारों से नहीं, संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया से निकलेगा। यहीं विपक्ष की राजनीति की असली परीक्षा शुरू होती है। चुनाव आयोग के विरुद्ध आंदोलन करना विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है। मतदाता सूची में यदि किसी पात्र नागरिक का नाम गलत ढंग से हटाया गया है तो उसका विरोध होना चाहिए। यदि किसी अधिकारी ने नियमों का उल्लंघन किया है तो उसकी जांच होनी चाहिए। लेकिन लोकतंत्र की रक्षा केवल आयोग के विरोध से नहीं होगी। लोकतंत्र की रक्षा तब होगी जब विपक्ष जनता को यह भी बताए कि सत्ता मिलने पर वह शिक्षा, रोजगार, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, शहरी जीवन, कानून-व्यवस्था और प्रशासन में क्या बदलेगा। यही वह बिंदु है जहां 'वोट चोरी' का राजनीतिक विमर्श जनता के रोजमर्रा के सवालों से टकराता है। एक सामान्य परिवार को बच्चों की महंगी शिक्षा की चिंता है। रोजगार की बदलती प्रकृति, एआई और नई तकनीक के कारण पारंपरिक कौशल तेजी से अप्रासंगिक हो रहे हैं। डिग्री लेने के बाद भी रोजगार की गारंटी नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल की घटनाएं युवाओं के विश्वास को चोट पहुंचाती हैं। ऐसे में युवा यह जानना चाहता है कि अगली सरकार परीक्षा व्यवस्था को कैसे विश्वसनीय बनाएगी, स्कूलों की गुणवत्ता कैसे सुधारेगी और बदलती तकनीकी अर्थव्यवस्था के लिए करोड़ों युवाओं को तैयार कैसे करेगी। किसान की समस्या भी केवल एमएसपी या आंदोलन तक सीमित नहीं है। फसल आने पर कीमत गिर जाती है और कुछ महीने बाद वही प्याज, टमाटर या दूसरी सब्जियां महंगी हो जाती हैं। इसका समाधान केवल विरोध में नहीं, बल्कि गांव-कस्बे तक भंडारण, कोल्ड-चेन, प्रसंस्करण, कृषि बाजार और मूल्यवर्धन की मजबूत व्यवस्था में है। विपक्ष यदि कृषि सुधारों का विरोध करता है तो उसे यह भी बताना होगा कि वह वैकल्पिक कृषि ढांचा किस तरह खड़ा करेगा। केवल बड़े उद्योगपतियों पर राजनीतिक प्रहार या संपत्ति की गणना जैसे नारों से रोजगार पैदा नहीं होते। विपक्ष यदि संपत्ति के पुनर्वितरण या सामाजिक न्याय की बात करता है तो उसे साथ ही यह भी बताना होगा कि संपत्ति और अवसर कैसे पैदा किए जाएंगे। 'जितनी आबादी, उतना हक' जैसी राजनीति सामाजिक प्रतिनिधित्व के प्रश्न को सामने लाती है, लेकिन आज की चुनौती प्रतिनिधित्व के साथ-साथ क्षमता निर्माण की भी है। पिछड़े, दलित, आदिवासी और कमजोर वर्गों के बच्चों को अच्छी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और अवसर मिलें-यह सामाजिक न्याय का अधिक स्थायी आधार है। केवल आंकड़े गिनना पर्याप्त नहीं, उन आंकड़ों के पीछे खड़े मनुष्य का जीवन बदलना जरूरी है। इस पूरे परिदृश्य में ममता बनर्जी की भूमिका विशेष चर्चा का विषय बनी है। राष्ट्रीय विपक्षी राजनीति में उनकी भूमिका को लेकर नया विमर्श अवश्य उभरा है। हाल की इंडिया गठबंधन की बैठक में उन्होंने विपक्ष का दायरा बढ़ाने और व्यापक एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडिया गठबंधन का सबसे बड़ा संकट केवल भाजपा से मुकाबला नहीं, बल्कि उसके भीतर का परस्पर अविश्वास है। सीटों का बंटवारा, क्षेत्रीय वर्चस्व, नेतृत्व का प्रश्न और राज्यों में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने वाली पार्टियों का राष्ट्रीय स्तर पर साथ आना आसान नहीं है। आज की स्थिति में आप का चुनाव आयोग तक प्रस्तावित मार्च से अलग रहकर अपना रास्ता अपनाना भी इस अंतर्विरोध को दिखाता है। कांग्रेस, तृणमूल, समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल, राजद, आप और दूसरे क्षेत्रीय दल जब अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग राजनीति करते हैं, तब राष्ट्रीय मंच पर उनका साझा न्यूनतम कार्यक्रम क्या है? जनता इसी का उत्तर चाहती है। चुनाव आयोग के मुद्दे पर भी यही कसौटी लागू होती है। इंडिया गठबंधन ने 6 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग तक मार्च सहित विरोध कार्यक्रम घोषित किए हैं और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई है। यह आंदोलन संवैधानिक प्रश्नों को सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला सकता है। लेकिन यदि विपक्ष का पूरा राजनीतिक अभियान केवल एक व्यक्ति के इस्तीफे तक सीमित रह गया, तो इससे चुनावी संस्थाओं पर व्यापक विश्वास का प्रश्न हल नहीं होगा। उसे यह भी बताना होगा कि सत्ता में आने पर निर्वाचन आयोग की नियुक्ति, मतदाता सूची, ईवीएम-वीवीपैट, चुनावी चंदे और चुनावी पारदर्शिता को लेकर वह कौन से संस्थागत सुधार करेगा। बड़ा प्रश्न है कि सत्ता की पात्रता को विकसित करने के लिये विपक्ष क्यों नहीं जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर सकारात्मक राजनीति को बल देती।

- ललित गर्ग

> 66
> रोजगार का प्रश्न इससे भी बड़ा है। भारत की युवा आबादी को उद्योग, विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, अनुसंधान और नई तकनीक से जोड़ना होगा। निवेश के लिए स्थिर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी प्रशासन और भरोसेमंद कारोबारी वातावरण जरूरी है।

भाजपा के शीर्ष ...

प्रदीप कुमार वर्मा

भाजपा ने सभी आठ नए उम्मीदवार उतारे, सपा ने भी युवा चेहरे पर जताया भरोसा

राज्यसभा का घमासान नए चेहरों को कमान

देश की राजनीति में अपना अलग मुकाम रखने वाले उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव का ₹काउंटडाउन₹ शुरू हो गया है। यूपी में राज्यसभा की दस सीटों के लिए सोलह अक्टूबर को चुनाव होना है। राज्यसभा चुनाव के लिए आगामी नवंबर माह में आठ भाजपा, एक बसपा और एक सपा की सीट खाली हो रही है। बसपा के पास सदस्य संख्या नहीं है। सपा विधायकों की संख्या के हिसाब से दो उम्मीदवारों को आसानी से जिता सकती है। राज्यसभा चुनाव की कवायद में भाजपा और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों का ऐलान भी कर दिया है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश विधानसभा में विधायकों की संख्या बल के लिहाज से दस सीटों वाले इस राज्यसभा चुनाव में ₹एक सीट₹ को लेकर भाजपा और सपा में राजनीतिक ₹रासाकसी₹ का दौर और चिंतन जारी है।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में राज्यसभा उम्मीदवारों के नाम से एक बार फिर सबको चौंका दिया है। वही,सपा द्वारा देश के प्रमुख पूंजीपति को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने के बाद चर्चा अपने चरम पर है। भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए जारी अपनी लिस्ट में पिछड़ा



दलित अगड़ा पॉलिटिक्स के जरिए समाजवादी पार्टी की पीडीए रणनीति को करारा जवाब दे दिया है। पार्टी ने 3 ओबीसी, 2 दलित, 2 ब्राह्मण और 1 ठाकुर समुदाय के प्रतिनिधि को टिकट दिया है। भाजपा की ओर से जारी लिस्ट में धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्णा पाण्डेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार के नाम शामिल हैं। भाजपा की सूची में शामिल नामों के पीछे जहां क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों को साधने की कोशिश साफ नजर आ रही है। इसे अखिलेश यादव की रणनीति को सीएम योगी आदित्यनाथ के जवाब के तौर पर माना जा रहा है। वहीं, अगले साल होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अलग-अलग वर्गों को संदेश देने की भी कोशिश की गई है। भाजपा की लिस्ट की एक और खासियत यह है कि पिछले कई दिनों से राज्यसभा की दौड़ में जितने बड़े-बड़े नाम लिए जा रहे थे। उनमें से शायद कोई इसमें शामिल नहीं है। यही नहीं इस लिस्ट में मौजूदा राज्यसभा सांसद और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बीएल वर्मा का नाम भी नहीं है। यानी दोनों को इस बार रिपीट नहीं किया गया है। इस बार यूपी के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह को राज्यसभा में भेजने का फैसला किया गया है। धर्मपाल सिंह योगी सरकार में पशुधन मंत्री है और बरेली की आंवला सीट से विधायक हैं। सपा ने एक सीट पर प्रोफेसर रामगोपाल यादव और दूसरी पर पूंजीपति धनराज परिमल नाथवानी को टिकट दिया है। दोनों नामांकन भी कर चुके हैं। सपा की उम्मीदवारी पर राजनीतिक विरोधी हमलावर है, क्योंकि यह दोनों ही राज्यसभा प्रत्याशी सपा की विचारधारा पर फिट नहीं बैठते हैं। भाजपा, सपा पर इस बात को लेकर हमलावर है कि सपा के पीडीए में पी से परिवारवाद और पूंजीपति हो गया है। यही नहीं सपा के राजनीतिक विरोधी इस बात को भी लेकर हमलावर है कि राज्यसभा के लिए भेजे जाने वाले नाम में कोई भी दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग से नहीं है। देश के राजनीतिक पंडितों का मानना है कि सपा की पीडीए वाली थ्योरी में राजनीतिक स्वार्थ के हिसाब से बदलती रही है और पीडीए महज एक जुमला साबित हो रहा है। उप्र में राज्यसभा चुनाव में भाजपा और सपा के हार जीत के गणित पर नजर डालें तो पता चलता है कि कुल 403 सीटों वाली यूपी विधानसभा में अभी 397 विधायक हैं तथा 6 सीटें खाली हैं। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए कुल 37 विधायकों के प्रथम वरीयता के वोटो की आवश्यकता होती है। भाजपा के पास अपने सहयोगियों अपना दल एस, आरएलडी, सुभासपा, निषाद पार्टी आदि को मिलाकर लगभग 288 से 293 विधायक हैं। इसके आधार पर एनडीए की 7 सीटें पूरी तरह सुरक्षित हैं और 8वीं सीट के लिए उन्हें कुछ और वोटों या समर्थन की जरूरत होती है। वहीं,समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन के पास लगभग 102 से 103 विधायक हैं, जिससे उनकी 2 सीटें आसानी से पक्की हो जाती हैं। इस गणेश से ऐसा माना जा रहा है कि राज्यसभा चुनाव जरूर रूप से संपन्न हो जाएगा।

प्रदेश में ...

शिखा अवस्थी/ओबैदुर रहमान

प्रदेश में संचालित एण्टी भू-माफिया अभियान से सार्वजनिक सम्पत्तियों की हुई सुरक्षा

सार्वजनिक सम्पत्तियों पर अवैध कब्जा न केवल शासन और प्रशासन के लिए चुनौती है, बल्कि यह आमजन के अधिकारों तथा विकास कार्यों में भी बाधा उत्पन्न करता है। सरकारी भूमि, ग्राम समाज की भूमि, तालाब, चारागाह, सड़क, नाली तथा अन्य सार्वजनिक उपयोग की सम्पत्तियों को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराना सुशासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश में एण्टी भू-माफिया अभियान को प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

प्रदेश में सार्वजनिक सम्पत्तियों पर हुए अवैध कब्जों के विरुद्ध प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए दिनांक 01 मई, 2017 द्वारा राज्य, मण्डल, जनपद एवं तहसील स्तर पर चार स्तरीय एण्टी भू-माफिया टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इस व्यवस्था के माध्यम से अवैध कब्जों की पहचान, उनके विरुद्ध कार्रवाई तथा सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की प्रक्रिया को संस्थागत रूप दिया गया है। अभियान को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और प्रभावी बनाने के लिए एण्टी भू-माफिया पोर्टल विकसित किया गया है। इसके माध्यम से नागरिक अवैध कब्जे से सम्बन्धित अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं तथा शिकायतों पर की गई कार्रवाई की स्थिति का अनुश्रवण भी किया जाता है। इससे शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बढ़ी है और प्रशासनिक कार्रवाई की नियमित निगरानी संभव हुई है। दिनांक 09 सितम्बर, 2026 तक एण्टी भू-माफिया पोर्टल पर अवैध कब्जे से सम्बन्धित कुल 4,38,351 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 4,36,858 शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है, जबकि 1,493 शिकायतें निस्तारण हेतु प्रक्रियाधीन हैं। इस प्रकार प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की दर लगभग 99.66 प्रतिशत है, जो अभियान के प्रभावी अनुश्रवण और त्वरित कार्रवाई को प्रदर्शित करता है। प्रदेश के चलाये गये इस अभियान के अन्तर्गत प्रदेश में बड़े पैमाने पर सार्वजनिक भूमि को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। अब तक कुल 84,069.46 हेक्टेयर क्षेत्रफल को अवैध अतिक्रमण से अवमुक्त कराया जा चुका है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सार्वजनिक सम्पत्तियों की सुरक्षा और उन्हें अतिक्रमणमुक्त कराने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा निरन्तर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

अवैध कब्जों के मामलों में केवल अतिक्रमण हटाने तक कार्रवाई सीमित नहीं रखी गई है, बल्कि दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई भी सुनिश्चित की गई है। इस अभियान के अन्तर्गत 25,120 राजस्व वाद, 1,168 सिविल वाद तथा 4,773 एफआईआर दर्ज करायी गयी हैं। इसके अतिरिक्त 1,377 अतिक्रमणकर्ताओं को भू-माफिया के रूप में चिन्हित किया गया है, जिनमें से वर्तमान में 121 भू-माफिया जेल में निरुद्ध हैं। इस अभियान के अन्तर्गत अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध उनकी गतिविधियों और मामलों की प्रकृति के अनुसार विभिन्न विधिक प्रावधानों के तहत भी कार्रवाई की गई है। 1,856 अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत 69 के विरुद्ध दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत 03 के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 70 के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट तथा 149 के विरुद्ध गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत विधिक कार्रवाई की गई है।

संतुलन जरूरी

वर्तमान में हम देखते हैं कि लड़का और लड़की दोनों ही परिवार की खुशहाली के लिए आवश्यक हैं। निष्कर्षतः लड़का और लड़की दोनों को एक समान समझना और उनके अधिकारों का सम्मान करना समाज की प्रगति के लिए बहुत आवश्यक है। भेदभाव और असमानता को खत्म करके ही हम एक समृद्ध और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण कर सकते हैं। भारत के अधिकांश घरों में माता- पिता अपने बुढ़ापे का सहारा बेटे को ही मानते हैं । उनकी बीमारी में दवाएं लाने वाला, रातों को जागकर सेवा करने वाला , उनके परिवार/रिश्तेदारों की जिम्मेदारी उठाने वाला और उनके जीवन की हर छोटी- बड़ी मुश्किल में साथ खड़ा रहने वाला अधिकतर बेटा या बेटे के परिवार ही होता हैं । यही सेवा और दायित्व- बोध वह अदृश्य उत्तरदायित्व हैं, जिसे समाज अक्सर स्वाभाविक मानकर अनदेखा कर देता हैं । मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जो कि समाज में रहता है। इसकी दो जातियां पाई जाती है लड़का और लड़की और समाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए दोनों की ही समान रूप से आवश्यकता है। लड़का और लड़की एक वाहन के दो पहिए है दोनों साथ मिलकर जीवन रूपी वाहन को चलाते हैं। यह दोनों ही एक समान है दोनों की अपनी अपनी अहमियत है। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है लोगों की सोच जो कि उन्हें समानता की दर्जा दे सकती है। इतिहास गवाह है कि प्राचीन काल से ही लड़कियां अपनी सुझ बुझ और शक्ति का परीचय देती आई है। वह किसी भी तरह लड़को से कम नहीं है। लोगों की संकुचित सोच ने ही लड़कियों को लड़को से पीछे समझा हुआ हैं। जहां लड़की को देवी के रूप में मंदिर में पूजा जाता है वहीं घर और समाज में उस पर शारीरिक और मानसिक रूप से अत्याचार भी किए जाते हैं। मध्य काल में पुरूषों को पूर्ण रूप से स्वतंत्रता थी जबकि लड़की सिर्फ घर में कैद होकर रहती थी। आधुनिक युग में लड़कियों ने अपने हक फिर से प्राप्त कर लिए हैं। वह हर क्षेत्र में लड़कों से भी आगे है। वह घर समाज और देश का नाम रोशन कर रही है। लड़कियों को किसी भी रूप में लड़को से कमजोर नहीं समझा जा सकता है।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

मत्स्य उत्पादन की ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

बलरामपुर के मत्स्य पालकों को मिला वैश्विक मंच



प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और किसानों की आय में संवृद्धि के उद्देश्य से तराई अंचल के बलरामपुर जनपद में मत्स्य पालन क्षेत्र को एक संगठित और लाभदायक उद्योग के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस रणनीतिक पहल की गई है। विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित 'उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल एंटरप्राइज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग' (यूपी एग्रीज) परियोजना तथा 'यूपी डास' के माध्यम से जनपद में आधुनिक मत्स्य पालन, वैज्ञानिक प्रबंधन और बहुस्तरीय बाजार संपर्कों को धरातल पर उतारा जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत प्रदेश सरकार और प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान आईटीसी के मध्य हुए संस्थागत समन्वय से पारंपरिक मत्स्य पालकों को उन्नत कृषि-उद्यमियों के रूप में उन्नत करने की रूपरेखा पर कार्य किया जा रहा है। बलरामपुर जनपद की भौगोलिक स्थिति, प्रचुर जल संसाधन तथा प्राकृतिक आर्द्रभूमियाँ अंतर्देशीय मत्स्य पालन के लिए अत्यंत अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करती हैं। अब तक स्थानीय स्तर पर सीमित संसाधनों, वैज्ञानिक ज्ञान के अभाव और केवल स्थानीय हाट-बाजारों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण मत्स्य पालक अपनी उपज का यथोचित मूल्य प्राप्त करने से वंचित रह जाते थे। इस नई पहल के माध्यम से जनपद के परंपरागत मत्स्य पालन तंत्र को अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित कर स्थानीय उत्पादन को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। इस परियोजना की आधारशिला क्लस्टर आधारित विकास दृष्टिकोण पर रखी गई है, जिसके तहत बलरामपुर जनपद में कुल 11 विशिष्ट मत्स्य क्लस्टरों का गठन किया जा रहा है। प्रत्येक क्लस्टर का समन्वित क्षेत्रफल लगभग 9 से 12 हेक्टेयर निर्धारित किया गया है, जिसमें 0.2 हेक्टेयर से लेकर 2.0 हेक्टेयर तक के तालाब धारक लघु एवं सीमांत मत्स्य पालकों को शामिल किया जा रहा है। व्यक्तिगत स्तर पर बिखरे हुए छोटे जलक्षेत्रों को एक संगठित क्लस्टर में पिरोने से आदान लागत (इनपुट कॉस्ट) में कमी, बड़े पैमाने पर उत्पादन और सामूहिक विपणन शक्ति का सीधा लाभ स्थानीय पालकों को प्राप्त होगा।

मत्स्य उत्पादन की उत्पादकता और गुणवत्ता में क्रांतिकारी सुधार लाने के लिए तकनीकी नवाचारों का व्यापक समावेश किया गया है। क्लस्टरों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित एक्वाकल्चर प्रबंधन प्रणालियाँ तथा स्वचालित फीडिंग तकनीकें स्थापित की जा रही हैं। जल की गुणवत्ता, घुलित ऑक्सीजन (डीओ), पीएच मान, तापमान और अमोनिया स्तर की निरंतर निगरानी के लिए सेंसर आधारित डिजिटल प्रणालियों का उपयोग किया जाएगा। इससे न केवल मछलियों की मृत्यु दर में भारी गिरावट आएगी, बल्कि वैज्ञानिक पोषण प्रबंधन के माध्यम से 'फीड कन्वर्जन रेशियो' (एफसीआर) में उल्लेखनीय सुधार संभव होगा।

योजना के अंतर्गत मत्स्य पालकों को उच्च गुणवत्तायुक्त मत्स्य बीज (फिंगरलिंग्स) और संतुलित प्रोटीनयुक्त मत्स्य आहार की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है। प्रमाणित हैचरी के माध्यम से उन्नत भारतीय प्रमुख कार्प प्रजातियों जैसे रोहू, कतला, मृगल (नैनी) के साथ-साथ व्यावसायिक दृष्टि से अत्यधिक मांग वाली पंगासियस और तिलापिया जैसी प्रजातियों के वैज्ञानिक संवर्धन पर बल दिया जा रहा है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा तालाब निर्माण, जल शोधन, रोग नियंत्रण और जैव-सुरक्षा (बायो-सिक्योरिटी) मानकों के कड़े अनुपालन हेतु मत्स्य पालकों को व्यावहारिक और ऑन-फील्ड प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

ग्रामीण समाज के समावेशी विकास और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस संपूर्ण क्लस्टर व्यवस्था में न्यूनतम 30 प्रतिशत महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरए-लएम) के तहत गठित महिला स्वयं सहायता समूहों को मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीकों, तालाब प्रबंधन, आहार वितरण तथा प्राथमिक ग्रेडिंग कार्यों से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ा जा रहा है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को केवल श्रम शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि स्वतंत्र कृषि-उद्यमी और निर्णयकर्ता के रूप में स्थापित कर उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त करेगी। मत्स्य क्षेत्र में सबसे बड़ी बाधा उपज कटाई के उपरांत होने वाले नुकसान (पोस्ट-हार्वेस्ट लॉस) की रही है। इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु परियोजना के तहत तालाब के किनारे से लेकर अंतिम उपभोक्ता तक एक मजबूत और आधुनिक कोल्ड-चेन अवसंरचना का विकास किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों, इंसुलेटेड एवं रेफ्रिजरेटेड परिवहन वाहनों, आधुनिक आइस-प्लांट्स तथा वैज्ञानिक भंडारण केंद्रों की स्थापना की जा रही है। इससे मछली की ताजगी लंबे समय तक सुरक्षित रहेगी और मत्स्य पालक औने-पौने दामों पर तत्काल बिक्री की विवशता से मुक्त हो सकेंगे। आईटीसी के वृहद लॉजिस्टिक्स और सप्लाई-चेन नेटवर्क के साथ एकीकरण इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी पहलू है।

बर्थडे से लौट रहे परिवार के 4 लोगों की मौत

इनमें कारोबारी, 2 बहनें, भांजी, मुजफ्फरनगर में डंपर से टकरा हाईवे से नीचे गिरी स्कॉर्पियो

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी



मुजफ्फरनगर। जिले के पुरकाजी थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पुरकाजी-लक्सर स्टेट हाईवे पर सोलानी नदी पुल के पास सामने से आ रहे डंपर ने स्कॉर्पियो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो गई और पलटती हुई हाईवे से करीब 20 फीट नीचे खेत में जा गिरी। हादसे में स्कॉर्पियो सवार कारोबारी, उनकी दो बहनों और एक भांजी की मौत हो गई। वहीं कारोबारी की मां, पत्नी और दूसरी भांजी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद डंपर भी पलट गया और उसका चालक मौके से फरार हो गया। हरिद्वार से लौट रहा था परिवार जानकारी के मुताबिक जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर पुरकाजी क्षेत्र में यह हादसा सोमवार रात करीब 11 बजे हुआ। आदेश गोयल अपने परिवार के साथ हरिद्वार गए थे। वहां परिवार के लोग अपने मौसा राधेश्याम के 75वें जन्मदिन समारोह में शामिल हुए थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद रात में सभी लोग स्कॉर्पियो से मुजफ्फरनगर लौट रहे थे। स्कॉर्पियो में कारोबारी आदेश गोयल, उनकी पत्नी रूबी, मां कुसुम देवी, बहन निशा, निशा की 14 वर्षीय बेटी श्रद्धा, छोटी बहन राखी और राखी की सात वर्षीय बेटी वैष्णवी सवार थीं। परिवार के लोग घर लौट रहे थे, तभी सोलानी नदी पुल के पास सामने से आ रहे डंपर से उनकी स्कॉर्पियो की भिड़ंत हो गई। डंपर की टक्कर इतनी तेज थी कि स्कॉर्पियो सड़क पर नियंत्रण खो बैठी। वाहन कई बार पलटता हुआ हाईवे से नीचे खेत में जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्कॉर्पियो में फंसे लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास से गुजर रहे राहगीर मौके पर पहुंचे। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। स्कॉर्पियो हाईवे से नीचे खेत में गिरी थी और वहां पानी भरा हुआ था। इस वजह से पुलिसकर्मियों को घायलों और मृतकों को बाहर निकालने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पुलिसकर्मी ग्रामीणों की मदद से खाई में उतरे। स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी, इसलिए दरवाजा तोड़कर उसमें फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। करीब 30 से 35 मिनट तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। एक-एक कर सभी लोगों को वाहन से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। सीएचसी पहुंचने पर डॉक्टरों ने आदेश गोयल, उनकी बहन निशा, बहन राखी और निशा की 14 वर्षीय बेटी श्रद्धा को मृत घोषित कर दिया। वहीं आदेश की मां कुसुम देवी, पत्नी रूबी और राखी की सात वर्षीय बेटी वैष्णवी घायल मिलीं। उनकी हालत गंभीर बताई गई है और उनका उपचार कराया जा रहा है। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान आदेश गोयल (45), उनकी बहन निशा (36), छोटी बहन राखी (30) और निशा की बेटी श्रद्धा (14) के रूप में हुई है। आदेश गोयल जिला मुख्यालय से करीब तीन किलोमीटर दूर हरीनगर मोहल्ले के रहने वाले थे। वह स्क्रैप का कारोबार करने के साथ प्रॉपर्टी डीलिंग का काम भी करते थे। उनकी बहन निशा गृहिणी थीं। उनका विवाह सहारनपुर के बेहट अड्डा निवासी राहुल सिंघल से हुआ था। राहुल एक फैक्ट्री में नौकरी करते हैं। निशा का एक बेटा भी है। दूसरी बहन राखी भी हादसे के समय अपनी सात वर्षीय बेटी वैष्णवी के साथ परिवार के साथ मौजूद थीं। हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। आदेश गोयल के बेटे तुषार की 25 नवंबर को शादी तय थी। घर में



शादी की तैयारियां चल रही थीं और परिवार में खुशी का माहौल था। इसी बीच हुए हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। आदेश का दूसरा बेटा रचित 22 वर्ष का है और बेंगलुरु में रहकर एलएलबी की पढ़ाई कर रहा है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिवार और रिश्तेदारों में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे के बाद डंपर भी सड़क पर पलट गया। बताया गया कि डंपर चालक वाहन से कूदकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लिया और घटना की जांच शुरू कर दी।

अंतरिक्ष अनुप्रयोगों पर 11वीं कार्यशाला 8 से

शासन-प्रशासन में अंतरिक्ष तकनीक के इस्तेमाल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वावधान में स्पेस एप्लीकेशन्स एडॉप्शन वर्कशॉप (SAAW) के 11वें संस्करण का आयोजन 8 और 9 अक्टूबर 2026 को लखनऊ में किया जाएगा। कार्यशाला का आयोजन डा. राम मनोहर लोहिया स्टेट एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट (रूपाम) में होगा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे से होगी। दो दिवसीय कार्यशाला विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के प्रभावी इस्तेमाल पर केंद्रित होगी। इसमें शासन और प्रशासन की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के साथ विभिन्न क्षेत्रों में अंतरिक्ष तकनीक के उपयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कार्यशाला का उद्देश्य सरकारी प्रक्रियाओं में सुधार, लागत में कमी और विभिन्न व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अंतरिक्ष अनुप्रयोगों का इस्तेमाल बढ़ाना है। इसके साथ ही आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और प्रशासनिक कार्यों में आधुनिक तकनीक के बेहतर उपयोग पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। अंतरिक्ष आधारित तकनीकों और अनुप्रयोगों के माध्यम से आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने की संभावनाओं पर विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे। इसके अलावा अंतरिक्ष अनुप्रयोगों से जुड़ी जानकारी, अनुभव और कार्यशाला के निष्कर्षों को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने पर भी जोर दिया जाएगा। इससे आम लोगों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े संस्थानों को अंतरिक्ष तकनीक के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी मिल सकेगी।

फास्ट न्यूज

आगरा में राम बारात की तैयारी

आगरा। आगरा में 69वीं ऐतिहासिक श्री राम बारात शोभायात्रा को लेकर ताजगंज राम बारात कमेटी के प्रतिनिधि-मंडल ने जिलाधिकारी मनीष बंसल और पुलिस आयुक्त दीपक कुमार से शिष्टाचार भेंट की। जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को राम बारात मार्ग का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त ने भी प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

जनपद लखनऊ में मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट एवं कॉल सेंटर के संचालन हेतु अधिकारियों का नामांकन

लखनऊ। निदेशक, रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश ने जनपद लखनऊ में मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट के वाहनों के संचालन तथा कॉल सेंटर के संचालन का उत्तरदायित्व मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ को सौंपा गया है। एम0वी0यू0 पर तैनात पशु चिकित्सक, मल्टी टास्किंग पर्सनल एवं चालक सह सहायक कुल तीन सदस्य पूर्व की भांति अपना कार्य करते रहेंगे। लाभार्थियों का पूर्ण विवरण नियमित रूप से रिकॉर्ड किया जाएगा तथा मासिक प्रगति प्रतिवेदन प्रत्येक माह की 5 तारीख तक उपलब्ध कराया जाएगा।

नोएडा में इंस्टाग्राम रील्स देखकर नकली नोट छापे-3 गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा पुलिस और एसओजी टीम ने नकली नोट छापकर बाजार में चलाने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 2.54 लाख रुपए के जाली नोट बरामद हुए हैं। आरोपी करीब 3 महीने से इस धंधे में सक्रिय थे। आरोपियों के पास से नकली नोट छापने वाला प्रिंटर, कटिंग मशीन, स्कॉर्पियो कार, चार मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेज भी मिले हैं।

ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस में लगी आग

30 यात्रियों को लेकर नोएडा से आगरा जा रही थी, पूरी बस राख हुई

तमसा संकेत, एजेंसी



गौतम बुद्ध नगर। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे चलती हुई स्लीपर बस में भीषण आग लग गई। हादसा सेक्टर-148 के पास हुआ। बस में करीब 30 यात्री सवार थे। आग लगते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सभी सामान बस में ही छोड़कर बाहर भाग निकले। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग लगने के दौरान बस में धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। इसके बाद आग तेजी से फैल गई। कुछ ही देर में पूरी बस आग की चपेट में आ गई। बताया जा रहा है कि बस दिल्ली से बिहार जा रही थी। आग लगने के बाद एक्सप्रेसवे पर कुछ देर अफरा-तफरी की स्थिति रही। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। बस में आग लगते ही यात्री नीचे उतरने लगे। यात्रियों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, बस में रखा यात्रियों का सामान जलकर राख हो गया। आग से बस पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बस में आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मामले की जांच कर रही है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग, अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने कार्यकर्ताओं से जुटने की अपील

एसआईआर के विरोध में 9 अक्टूबर को लखनऊ में 'आप' का प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने SIR को लेकर चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए 9 अक्टूबर 2026 को लखनऊ में विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करेगी। यह कार्यक्रम पार्टी के प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आह्वान पर आयोजित किया जाएगा। विनय पटेल ने कहा कि लोकतंत्र की नींव जनता के मताधिकार पर टिकी है।

उनके मुताबिक मतदाता सूची में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है।



उन्होंने आरोप लगाया कि SIR की प्रक्रिया को लेकर जनता के बीच गंभीर सवाल खड़े हुए हैं और इनका समाधान जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिस संस्था पर निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी है, उसकी कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवालों पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसी को लेकर आम आदमी पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रही है। SIR को लेकर विपक्षी दलों और चुनाव आयोग के बीच राजनीतिक विवाद लगातार सामने आया है। विनय पटेल ने कहा कि मतदाता सूची की पारदर्शिता और नागरिकों के मताधिकार से जुड़े सवालों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

सितंबर में लखनऊ में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। आम आदमी पार्टी ने 9 अक्टूबर के प्रदर्शन में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में लखनऊ पहुंचने की अपील की है।

पार्टी का कहना है कि प्रदर्शन के जरिए SIR और मतदाता सूची से जुड़े सवालों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

मतदाता सूची में गड़बड़ी का लगाया आरोप

विनय पटेल ने आरोप लगाया कि SIR के नाम पर मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गई हैं। उन्होंने इसे लोकतंत्र और मताधिकार से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका पर सवाल उठाए। हालांकि, ये आरोप आम आदमी पार्टी की ओर से लगाए गए हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि उत्तर प्रदेश में SIR के बाद अंतिम मतदाता सूची में 13.39 करोड़ से अधिक मतदाता शामिल हुए और प्रक्रिया में 1.77 लाख BLO तथा राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 5.82 लाख से अधिक BLAs की भूमिका रही।

9 अक्टूबर को लखनऊ पहुंचने की अपील

विनय पटेल ने अयोध्या प्रांत समेत पूरे उत्तर प्रदेश के पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से 9 अक्टूबर को बड़ी संख्या में लखनऊ पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इस प्रदर्शन के जरिए SIR और मतदाता सूची से जुड़े अपने सवालों को उठाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का आंदोलन मतदाता सूची में निष्पक्षता और पारदर्शिता की मांग को लेकर जारी रहेगा। इससे पहले भी लखनऊ में AAP कार्यकर्ता मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी की उपस्थिति में भाजपा प्रत्याशियों ने किया नामांकन

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश से उतारे हैं आठ प्रत्याशी

तमसा संकेत, संवाददाता





लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सान्निध्य में राज्यसभा चुनाव के लिए मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के सभी आठों प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन के आखिरी दिन भाजपा प्रत्याशी धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, रामप्रताप सिंह चौहान, श्रुति गंगवार ने विधान भवन में नामांकन दिया। मुख्यमंत्री ने सभी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दीं। पर्चा दाखिला के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री/भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, राकेश सचान, आशीष पटेल, डॉ. संजय निषाद, कपिलदेव अग्रवाल, जेपीएस राठौर, दिनेश प्रताप सिंह, गिरीश चंद्र यादव, ब्रजेश सिंह, सतीश चंद्र शर्मा, रजनी तिवारी, बलदेव सिंह औलख आदि मौजूद रहे।

नवीन मार्केट से पुलिस ने उठाया, नौबस्ता में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन

अखिलेश यादव को हिरासत में लेने पर सपा का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को दिल्ली में हिरासत में लिए जाने के विरोध में मंगलवार को कानपुर में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। सपा जिलाध्यक्ष फजल महमूद के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नवीन मार्केट के बाहर धरना दिया और 'अखिलेश भैया को रिहा करो' के नारे लगाए। धरने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को बस में भरकर हिरासत में ले लिया। इसी दौरान नौबस्ता के राम चौक पर भी सपा नेता प्रवीण यादव उर्फ बंटी यादव और अर्पित यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने धरना देकर अखिलेश यादव की गिरफ्तारी का विरोध किया। यहां कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी बांधकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नौबस्ता में प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे प्रवीण यादव उर्फ बंटी यादव ने कहा कि सपा के नौजवान कार्यकर्ता काली पट्टी बांधकर अखिलेश यादव की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रपति से अखिलेश यादव को तत्काल रिहा करने की मांग की।





सपा नेता अर्पित यादव ने कहा कि अखिलेश यादव की गिरफ्तारी के विरोध में कानपुर के नौजवान सड़क पर उतरे हैं।

बंटी यादव ने कहा कि जब तक अखिलेश यादव की रिहाई नहीं होती, तब तक समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता धरना-प्रदर्शन के जरिए सरकार के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे।

आवाज नहीं दबा पाओगे, आखिरी दम तक लड़ेंगे

सपा जिलाध्यक्ष फजल महमूद ने कहा कि अखिलेश यादव गृह मंत्री के खिलाफ धरना-प्रदर्शन कर रहे थे, इसी दौरान सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में ऐसा माहौल बना दिया गया है कि कोई व्यक्ति चोर को चोर भी नहीं कह सकता। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव गरीबों के मसीहा और युवाओं के अभिभावक हैं। उन्हें गिरफ्तार करके उनकी आवाज नहीं दबाई जा सकती। फजल महमूद ने कहा कि पुलिस ने धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है, लेकिन समाजवादी पार्टी का आंदोलन रुकने वाला नहीं है। 'कल, परसों और नरसों भी धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। इस दौरान युवजन सभा अध्यक्ष अर्पित त्रिवेदी,सुधीर त्रिवेदी,रामा यादव,सौरभ यादव आदि रहे।

सफाई : मायावती शादी से पहले कभी पार्टी से नहीं निकालना पड़ा, गलती का एहसास हुआ इसलिए वापस लिया

भतीजे आकाश को ससुर ने बिगाड़ा : मायावती

*** 23 जून, 2024 को बसपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में आकाश आनंद ने मायावती के पैर छुए थे। तब मायावती ने आकाश को नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया था।**

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को फिर से पार्टी में वापस लेने के फैसले पर सफाई दी है। उन्होंने कहा- आकाश आनंद को शादी से पहले कभी पार्टी से नहीं निकालना पड़ा। तब वे पार्टी में काफी सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। शादी के बाद ससुर अशोक सिद्धार्थ ने आकाश को बरगलाया। स्वार्थ के लिए आकाश की छवि खराब करने की कोशिश की। ऐसे में आकाश को सुधारने के लिए उन्हें कई बार पार्टी से अलग करना पड़ा। बाद में गलती का एहसास होने पर आकाश को माफ किया। मायावती ने सोमवार को भतीजे आकाश को 31 दिन बाद BSP का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया था। इससे पहले 3 सितंबर को उन्हें पद से हटाया था।

मायावती अब तक 3 बार आकाश को पद से हटा चुकी हैं। हर बार उन्हें वापस पद दिया गया है। 2017 में आकाश आनंद सहारनपुर की जनसभा में मायावती के साथ दिखे थे। इसके बाद वह लगातार पार्टी का काम कर रहे थे। 2019 में उन्हें नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया गया।

अशोक सिद्धार्थ के संन्यास के बाद अब ऐसी स्थिति नहीं बनेगी

मायावती ने कहा- मीडिया में यह बात बढ़ा-चढ़ाकर लिखी जा रही है कि आकाश को चार बार पार्टी से निकाला गया और फिर वापस लेकर राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया। अगर मीडिया इस बारे में लिखता है तो उसे यह बताना चाहिए कि शादी से पहले कभी आकाश ने शिकायत का मौका नहीं दिया। बाद में पार्टी से अलग किए जाने के पीछे क्या परिस्थितियां थीं। उन्होंने कहा- अब जब अशोक सिद्धार्थ राजनीति से संन्यास ले चुके हैं तो ऐसी कोई स्थिति पैदा ही नहीं होनी चाहिए ताकि आकाश को फिर पार्टी से अलग करना पड़े। उम्मीद है कि आकाश अब राजनीति में आगे बढ़ेंगे।

आकाश की माफी के बाद मायावती ने पार्टी में वापस लिया था

एक दिन पहले ही मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी में वापस लेते हुए उन्हें पुरानी जिम्मेदारी सौंपी थी। 2 अक्टूबर को आकाश आनंद ने X पर मायावती को अपना राजनीतिक गुरु, प्रेरणा और बुआ मां बताया था। उन्होंने लिखा था कि बसपा ही उनका परिवार है। वे किसी अन्य दल में नहीं जाएंगे। उन्होंने अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने के फैसले का भी समर्थन किया था। बसपा में वापसी के बाद आकाश ने 'X' पर पोस्ट किया। लिखा- आपने मुझे क्षमा किया और बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी दोबारा सौंपी। इस भरोसे के लिए मैं तहे दिल से आपका आभारी हूं।

.इसे मैं हल्के में कभी नहीं ले सकता। पिछले कुछ समय ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। सबसे बड़ी सीख है कि यह मूवमेंट किसी एक व्यक्ति से कहीं बड़ा है।

दशहरा पर अन्नदाता किसानों को मिलेगा योगी सरकार का उपहार

7 से 20 अक्टूबर तक www.agriculture.up.gov.in पर करना होगा आवेदन

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। योगी सरकार अन्नदाता किसानों को दशहरा पर उपहार देगी। उपहार स्वरूप प्रदेश के किसानों को अनुदान पर कृषि यंत्र प्राप्त होगा। इसके लिए अन्नदाता किसानों को 7 से 20 अक्टूबर तक www.agriculture.up.gov.in पर आवेदन करना होगा। संयुक्त कृषि निदेशक (अभियंत्रण) बलराम वर्मा ने बताया कि विभाग की ओर से संचालित नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजनां-तर्गत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना में 2166 कृषि यंत्र तथा प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फ़ॉर इन सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिडयू अंतर्गत 1755 कृषि यंत्र तथा अन्य योजनाओं के कृषि यंत्र/ कृषि रक्षा उपकरण के लिए अनुदान दिया जाएगा। कस्टम हायरिंग सेंटर व फार्म मशीनरी बैंक (10-10 लाख), किसान ड्रोन व अन्य एकल कृषि यंत्र पर अनुदान दिया जाएगा। वहीं फसल अवशेष प्रबंधन के तहत एकल कृषि यंत्र व कस्टम हायरिंग सेंटर (30 लाख), त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के तहत मेज सेलर, मिलेट पर्लर, कीट रोग नियंत्रण योजना के तहत कृषि रक्षा यंत्र, सीडीपी योजना के तहत कृषि यंत्र के लिए किसान आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि www.agriculture.up.gov.in पर यंत्रों की बुकिंग/जनपदवार आवेदन किया जाएगा। इस लिंक पर किसान कार्नर के अंतर्गत यंत्र बुकिंग प्रारंभ पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। यहां पूर्ण विवरण, यंत्र बुकिंग, अनुदान प्रक्रिया आदि की भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

88 वर्ष के थे, दुनिया की सबसे बड़ी गौशाला का संचालन करते थे, 2 बड़े आंदोलन भी किए

ब्रज के विरक्त संत पद्मश्री रमेश बाबा ब्रह्मलीन हुए

शोक

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। ब्रज के विरक्त संत पद्मश्री रमेश बाबा मंगलवार को ब्रह्मलीन हो गए। 88 वर्ष की उम्र में बाबा ने बरसाना के गहवर वन स्थित मान मंदिर में अंतिम सांस ली। अधिक उम्र की वजह से कमजोरी हो गए थे। पिछले कुछ समय से बीमार रहने लगे थे। मान मंदिर परिसर में ही निवास करते थे। बाबा ने अपना पूरा जीवन राधारानी की भक्ति, गोसेवा और ब्रज की प्राकृतिक विरासत को बचाने के लिए समर्पित कर दिया। उनके निधन की खबर मिलते ही



मान मंदिर और बरसाना में अनुयायियों और श्रद्धालुओं में शोक है। अंतिम संस्कार कब और कहां होगा, इसे लेकर अभी निर्णय नहीं लिया गया है। रमेश बाबा का जन्म 1938 में तीर्थराज प्रयाग में हुआ था। उनके पिता विख्यात ज्योतिषाचार्य बलदेव प्रसाद शुक्ल और माता हेमेश्वरी देवी थीं। बताया गया है कि माता-पिता ने पुत्र प्राप्ति की इच्छा से रामेश्वरम में पुत्र कामेष्टि यज्ञ कराया था। इसके बाद 1938 में पौष मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को दोपहर 12 बजे बाबा का जन्म हुआ। रमेश बाबा ने वर्ष 2013 में उन्होंने वृंदावन से दिल्ली तक यमुना शुद्धिकरण के लिए पदयात्रा निकाली। इसमें 50 हजार से ज्यादा लोगों के शामिल का दावा गया किया था। शांतिपूर्ण पदयात्रा हाईवे के रास्ते दिल्ली की ओर बढ़ी। दिल्ली पहुंचने से पहले तत्कालीन सरकार की ओर से यमुना शुद्धिकरण के लिए बड़ा प्लान बनाने का आश्वासन दिया गया था। रमेश बाबा की पहचान सबसे बड़े स्तर पर गोसेवा के काम से भी रही। वर्ष 2007 में उन्होंने दो गोवंश के साथ माताजी गोशाला का संचालन शुरू किया था। धीरे-धीरे यह गोशाला बड़े गोसेवा केंद्र में बदल गई। आज बरसाना स्थित माताजी गोशाला में करीब 65 हजार गोवंश के संरक्षण का दावा किया जाता है।



रमेश बाबा ने 90 साल की उम्र में अंतिम सांस ली

ज्योतिषाचार्य पिता ने ललाट देखकर कहा था-ब्रह्मचारी ही रहेंगे

बाबा के पिता ने जन्म के बाद ही उनके ललाट को देखकर कहा था कि यह बालक गृहस्थ जीवन नहीं अपनाएगा और ब्रह्मचारी रहेगा। बाबा ने प्रयाग में ही शिक्षा ग्रहण की। किशोरावस्था से ही उनका झुकाव आध्यात्मिकता की ओर था। ब्रज आने की इच्छा में उन्होंने दो बार जन्मभूमि छोड़ने की कोशिश की, लेकिन मां के स्नेह के कारण वापस लौटना पड़ा। तीसरी बार वह घर छोड़कर ब्रजभूमि आए तो फिर नहीं लौटे। वर्ष 1953 में 15 वर्ष की उम्र में वह बरसाना पहुंचे।

बाबा के आंदोलन के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पहाड़ियों पर खनन रोका

रमेश बाबा ने ब्रज की प्राकृतिक विरासत को बचाने के लिए भी लंबा संघर्ष किया। गहवर वन में पेड़ों की कटाई और बरसाना से लेकर राजस्थान तक ब्रज की पहाड़ियों में हो रहे खनन के खिलाफ उन्होंने अभियान चलाया। पहाड़ियों पर तेजी से हो रहे खनन से ब्रज के पर्वत और हरियाली को नुकसान पहुंच रहा था।

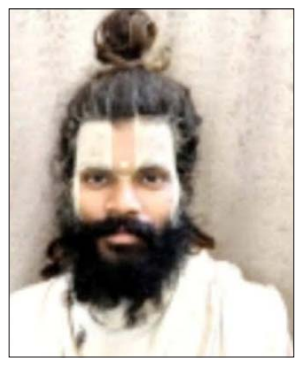


> ब्रज आने के बाद रमेश बाबा राधारानी मंदिर में मृदंग बजाते थे। धीरे-धीरे उनका पूरा जीवन राधारानी की भक्ति में रम गया। उन्होंने बरसाना के ब्रह्मांचल पर्वत पर मान मंदिर आश्रम बनाया और ठाकुर मान बिहारी की सेवा शुरू की।

रसिक दुलारी शरण प्रकरण में कई टीमें जांच में जुटीं

एसपी सिटी बोले- सभी डिजिटल व भौतिक साक्ष्य सुरक्षित

तमसा संकेत, संवाददाता



मथुरा। वृंदावन क्षेत्र में गुमशुदगी और जांच से जुड़े मामलों में पुलिस पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से विधिक कार्रवाई कर रही है। रसिक दुलारी शरण प्रकरण में पुलिस की कई टीमें लगातार जांच में जुटी हैं। पुलिस पीड़ित के सगे-संबंधियों, मित्रों और करीबियों से पूछताछ कर महत्वपूर्ण तथ्य जुटा रही है। एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया कि पूर्व में सामने आए ऐसे ही एक मामले में संबंधित जिलों से समन्वय स्थापित कर पुलिस टीमों ने गुमशुदा व्यक्ति को सकुशल बरामद किया था।

उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी व्यक्ति के गुम होने या ऐसी कोई आशंका होने पर तत्काल संबंधित जिले और थाने में नियमानुसार सूचना देकर कार्रवाई कराएं। निर्धारित एसओपी के तहत पीड़ित परिवार को पुलिस की ओर से आवश्यक मदद और सहयोग प्राथमिकता से उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि परिजनों द्वारा पोस्टर लगाना खोजबीन की प्रक्रिया का हिस्सा है। पुलिस भी रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और आश्रमों जैसे सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर लगवाकर सूचना जुटाती है।

फास्ट न्यूज

आगरा के रामप्रताप सिंह को भाजपा ने राज्यसभा प्रत्याशी बनाया

आगरा। भाजपा ने आगरा के वरिष्ठ नेता और प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान को राज्यसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है। पार्टी के इस फैसले से आगरा भाजपा में खुशी की लहर है। चौहान वर्तमान में भाजपा के प्रदेश महामंत्री हैं और उन्हें संगठन में लंबे अनुभव वाले नेताओं में गिना जाता है। जून 2026 में घोषित भाजपा की नई प्रदेश टीम में उन्हें लगातार दूसरी बार प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी मिली थी।

मुरादाबाद में पकड़ा गया 25 वां तेंदुआ

मुरादाबाद। मुरादाबाद जिले में तेंदुओं को पकड़ने के लिए चलाये जा रहे अभियान में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। ठाकुरद्वारा तहसील क्षेत्र के राजूपुर मिलक गांव में सोमवार रात करीब 10 बजे एक और खूंखार तेंदुआ वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में कैद हो गया। पिछले काफी समय से इलाके में तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीण दहशत में थे, जिसके पकड़े जाने के बाद अब ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। जनपद में तेंदुओं को दबोचने के लिए 3 अगस्त से लगातार रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत अब तक रिकॉर्ड 25 तेंदुए पकड़े जा चुके हैं।

20 लाख की रंगदारी नहीं दी तो प्लॉट पर फायरिंग

मथुरा। मथुरा में प्लॉट की बाउंड्री करा रहे लोगों पर हथियारबंद लोगों ने फायरिंग कर दी। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने पहले 20 लाख रुपए की रंगदारी मांगी थी। रकम नहीं देने पर सोमवार शाम 10 से 15 लोग हथियार लेकर प्लॉट पर पहुंचे और खुलेआम फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग की घटना का 1 मिनट 19 सेकंड का वीडियो सोमवार देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

78.53 लाख का सामान लिया था, भुगतान नहीं किया

अलीगढ़ के व्यापारी ने एटा के कारोबारी पर कराई एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ की एक फर्म से PVC पाइप, फिटिंग, जीआई पाइप, टंकी, समरसेबल और हैंडपंप समेत अन्य सामान लेने के बाद 78 लाख 53 हजार 348 रुपये का भुगतान नहीं करने का मामला सामने आया है।

व्यापारी ने एटा के कारोबारी दंपती पर बकाया रकम मांगने पर धमकी देने का आरोप लगाया है। व्यापारी की शिकायत पर गांधीपार्क थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत के मुताबिक अलीगढ़ के व्यापारी की फर्म से एटा निवासी अंकित दीप की फर्म को लगातार सामान भेजा जाता



था। व्यापारी का कहना है कि भरोसे के आधार पर कारोबार चलता रहा। वर्ष 2023 से भुगतान नहीं किया गया। अंकित दीप की फर्म पर 33 लाख 1 हजार 956 रुपये बकाया हो गए।

व्यापारी ने अंकित दीप की पत्नी शीतल से जुड़ी फर्म को भी सामान भेजने की बात कही है। आरोप है कि इस फर्म पर 45 लाख 51 हजार 392 रुपये का भुगतान बाकी है। दोनों फर्मों का कुल बकाया 78 लाख 53 हजार 348 रुपये बताया गया है।

पुलिस ने दस्तावेज लेकर शुरू की जांच

व्यापारी ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र के साथ बकाया खाते की नकल, फर्म रजिस्ट्रेशन और GST से जुड़े दस्तावेज भी लगाए हैं। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। अब पुलिस कारोबारी लेनदेन, बकाया रकम और लगाए गए दस्तावेजों की जांच कर रही है।

> व्यापारी के मुताबिक उसने कई बार फोन करके बकाया रकम मांगी, लेकिन हर बार भुगतान टाल दिया गया। आरोप है कि रकम मांगने पर उसे धमकी दी गई और कहा गया कि रुपये ले सकता है तो लेकर दिखाए।

रसखान समाधि स्थल पर सांझी कला महोत्सव शुरू

छात्राओं ने रंगोली के जरिए दिखाई सांझी कला की प्रतिभा, कुलपति ने किया सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

महावन (मथुरा)। गोकुल स्थित रसखान समाधि स्थल पर मंगलवार को सांझी कला महोत्सव का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्रपट पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। जीएलए यूनिवर्सिटी के कुलपति अनूप गुप्ता ने फीता काटकर महोत्सव का उद्घाटन किया। अतिथियों ने रसखान की समाधि पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

महोत्सव में श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज की छात्राओं ने आकर्षक रंगोली बनाकर सांझी कला और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुलपति अनूप गुप्ता ने छात्राओं की कला की



सराहना करते हुए प्रतिभागियों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र वितरित किए। कुलपति अनूप गुप्ता ने कहा कि ब्रज की सांझी कला समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और लोक संस्कृति की विशिष्ट पहचान है।

इसे संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि रसखान समाधि स्थल ब्रज की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। स्काउट मास्टर विनोद कुमार शुक्ला ने विद्यार्थियों को लोक कलाओं से जोड़ने पर जोर दिया।कार्यक्रम में रसखान के जीवन, साहित्य तथा समाधि स्थल के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश ब्रज विकास ट्रस्ट के कोऑर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिकरवार, अपर मुख्य कार्यपालक राजीव पांडे, गोकुल नगर पंचायत अध्यक्ष संजय दीक्षित, प्रधानाचार्या उमा शर्मा, डॉली शुक्ला, टीना दीक्षित, अनुपम, पर्यावरणविद्, वन विभाग के अधिकारी, कलाविद्, समाजसेवी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं मीडिया कर्मी मौजूद रहे।

बाबा टिकैत की 91वीं जयंती पर किसानों ने आंदोलन की चेतावनी दी

ट्रांसफॉर्मर चोरी और फार्मर आईडी की समस्याओं को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन



तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा/बलदेव। भारतीय किसान यूनियन के संस्थापक बाबा महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती मंगलवार को बरौली स्थित प्रदेश प्रवक्ता कार्यालय पर मनाई गई। किसान नेताओं और किसानों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किसानों के हित में संघर्ष का संकल्प लिया।

प्रदेश प्रवक्ता गजेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि किसानों को खाद-बीज की कमी, डीएपी के लिए लंबी कतार, निजी नलकूपों के ट्रांसफॉर्मर चोरी और फार्मर आईडी व अंश निर्धारण की जटिल प्रक्रिया जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो भाकियू बड़े आंदोलन की शुरुआत करेगी। कार्यक्रम में पहुंचे तहसीलदार महावन को किसान नेताओं ने विभिन्न समस्याओं को लेकर मांग पत्र सौंपा। तहसील अध्यक्ष नीरेश कोयड़ ने संगठन का विस्तार करते हुए अबैरनी निवासी सूरजभान को तहसील महावन उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी ललित शर्मा ने किया।

पत्रकारिता पर जनता का भरोसा कायम, पत्रकारों की सुरक्षा-सम्मान जरूरी : भूपेंद्र सिंह

पत्रकारों की दशा-दिशा बदलने के लिए संघर्ष करेगा एनयूजे : सुरेश शर्मा



तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) एनयूजेआई की दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद में पत्रकारिता की चुनौतियों और पत्रकार हितों के मुद्दों पर व्यापक मंथन हुआ। परिषद में 22 राज्यों से पहुंचे 200 से अधिक पत्रकार प्रतिनिधियों ने पेंशन, बीमा, सुरक्षा, स्थायी रोजगार और पत्रकारों के सम्मान से जुड़े विषयों पर चर्चा कर विभिन्न प्रस्ताव पारित किए। राष्ट्रीय परिषद का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि समाज का पत्रकारिता पर भरोसा आज भी कायम है, जबकि राजनेताओं पर विश्वास अपेक्षाकृत कम है। डिजिटल और सोशल मीडिया के



दौर में सूचनाओं का प्रवाह बेहद तेज है, ऐसे में पत्रकारों का दायित्व और बढ़ गया है। तथ्यों पर आधारित और सत्य को सामने लाने वाली पत्रकारिता लोकतंत्र तथा सामाजिक एकता को मजबूत करती है, जबकि सुनी-सुनाई और तथ्यहीन पत्रकारिता समाज को नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन में पत्रकारों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने आंदोलन को प्रमुखता से उठाया। आंदोलन का इतिहास लिखा जाएगा तो पत्रकारों के योगदान का भी उल्लेख होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या नए स्वरूप में विकसित हो रही है। राष्ट्रीय महामंत्री त्रियुग नारायण तिवारी ने संगठन की एकजुटता पर जोर दिया।

पत्रकारों की दशा-दिशा बदलने के लिए संघर्ष जारी रहेगा

एनयूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने कहा कि संगठन की स्थापना वर्ष 1972 में सैद्धांतिक पत्रकारिता और वैचारिक संघर्ष के उद्देश्य से हुई थी। एनयूजे ने 1975 के आपातकाल का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की दशा और दिशा में आमूलचूल परिवर्तन के लिए संगठन संघर्ष जारी रखेगा तथा पत्रकार हितों के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाया जाएगा।

पत्रकारों की दृष्टि और अनुभव पारखी : डीएम

समापन अवसर पर जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकारों की दृष्टि और अनुभव पारखी होता है। पत्रकार समाज की समस्याओं को सामने लाने के साथ प्रशासन को जमीनी स्थिति से भी अवगत कराते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय परिषद के सफल आयोजन पर आयोजकों और पत्रकारों को बधाई दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने टीम के साथ जिलाधिकारी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। महंत जगदीश दास हनुमान बाग ने भी जिलाधिकारी का स्वागत किया।

पृष्ठ 01 का शेष...

पुलिस देख...

यहां आने वाले दूसरे बच्चों को देखकर भी उन्हें प्रेरणा मिलती है। सीएम योगी ने कहा- HCL के लखनऊ कैंपस के अगले चरण में सिर्फ IT सर्विसेज तक सीमित नहीं रहना है। अगले दस साल में लखनऊ को AI, सेमीकंडक्टर, साइबर सिक्योरिटी, कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी और डीप टेक का केंद्र बनाना होगा। इसके लिए अभी से तैयारी करनी होगी। उन्होंने कहा कि यूपी की सबसे बड़ी ताकत यहां की युवा आबादी, युवा वर्कफोर्स और प्रतिभा है। दस साल पहले इस कैंपस की यात्रा करीब 100 युवाओं से शुरू हुई थी और आज यहां साढ़े 12 हजार युवा काम कर रहे हैं। यह बदलाव दिखाता है कि अवसर मिलने पर यूपी का युवा कहीं पीछे नहीं है। HCL की पांच दशक की यात्रा पर कंपनी को बधाई। HCL के संस्थापक शिव नादर ने इसी उत्तर प्रदेश से कंपनी की यात्रा शुरू की थी। आज यह यात्रा यूपी की धरती से निकलकर वैश्विक पहचान बना चुकी है। दस साल पहले शिव नादर ने लखनऊ में इस यात्रा को नई पहचान देने का संकल्प लिया था। आज उसी संकल्प के 10वें स्थापना दिवस के मौके पर हम इस कैंपस में एकत्र हुए हैं। HCL ने लखनऊ को चुना और लखनऊ ने HCL को अपनाया। दोनों की साझा यात्रा पर आज उत्तर प्रदेश का हर व्यक्ति गौरव महसूस कर सकता है। सीएम ने कहा- इस कैंपस की सफलता के पीछे कर्मचारियों की मेहनत के साथ उनके परिवारों की दुआ और सपने भी जुड़े हैं। आज जब यूपी का युवा यहीं रहकर दुनिया के लिए टेक्नोलॉजी बना रहा है तो सबसे ज्यादा खुशी उसके माता-पिता को होती है। दस साल पहले यूपी का युवा अच्छी डिग्री लेने के बाद करियर के लिए दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जाता था। आज स्थिति बदल गई है। यूपी का युवा करियर के लिए लखनऊ को चुन रहा है और दुनिया का युवा भी लखनऊ आ रहा है। उन्होंने HCL कर्मचारियों से कहा कि वे सिर्फ कंपनी के कर्मचारी नहीं, बल्कि अब यूपी के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। सीएम ने कहा- सीएम ने कहा कि एक समय यूपी में बिजली की सुविधा भी कुछ परिवारों तक सीमित थी। आज यूपी बदल चुका है। अब प्रदेश में पहचान, रोजगार और नौकरी का संकट नहीं है। साढ़े नौ साल में 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। सीएम ने कहा- 10 साल पहले युवा अन्य जगहों पर भटकता था। आज युवाओं को लखनऊ के अंदर ही कैरियर बनाने का अवसर मिल रहा है। यहां तक की दुनिया भर के युवाओं को कैरियर के लिए लखनऊ में आने पर मजबूर होना पड़ रहा है। आप सिर्फ HCL के एम्प्लॉई नहीं है। आप यूपी के ब्रांड अम्बेसडर है। अगले 10 वर्ष में सिर्फ IT में नहीं AI, साइबर सेक्युरिटी, deep टेक टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर्स का हब बनाना होगा। एक समय था जब यूपी को सिर्फ उपजाऊ जमीन के लिए जाना जाता था। रोशनी नादर ने कहा कि उत्तर प्रदेश हमारा घर है। जब किसी ने HCL पर भरोसा नहीं किया तब यूपी ने हमें ड्रीम को साकार करने का अवसर मिला। यूपी के एक हजार स्टूडेंट्स को AI में ट्रेनिंग और ग्रूम करने के लिए नए प्रोग्राम का आगाज करेगा। इस साल HCL अपनी 50वीं वर्षगांठ मना रहा है। जबकि HCL लखनऊ की 10वीं वर्षगांठ है। यूपी में HCL फाउंडेशन ने 50 लाख से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया है। HCL Tech के 10 साल पूरे होने पर स्थापना दिवस में सीएम योगी पहुंचे हैं। उन्होंने वहां मौजूद ट्रेनर से बातचीत की।

बंगाल, असम...

पुलिस ने उन पर चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उनके बेटे गुलाम नबी आजाद भी रेजीनगर से उम्मीदवार हैं। जिन सीटों पर वोटिंग हुई, उनमें पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर, तमिलनाडु की मदुरंतकम और धारापुरम, पुडुचेरी की थट्टानचावडी विधानसभा सीट और असम की नगांव लोकसभा सीट शामिल हैं। सभी सीटों के नतीजे 9 अक्टूबर को आएंगे। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव की वोटिंग मंगलवार शाम 6 बजे खत्म हो गई। उन्होंने कहा कि जो लोग अभी भी लाइन में हैं, उन्हें वोट डालने दिया जाएगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, इन दोनों सीटों पर लगभग 79 प्रतिशत वोटरों ने अपने वोट का इस्तेमाल किया। अधिकारी ने बताया कि वोटिंग शांतिपूर्ण रही और कुछ ही अप्रिय घटनाओं की खबर मिली। पूर्वी मेदिनीपुर के नंदीग्राम में 79.39 प्रतिशत वोटिंग हुई, जबकि मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में शाम 5 बजे तक 78.42 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। डीएमके और एआईएडीएमके समेत विपक्षी दलों के मतदान एजेंटों ने अधिकारी का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी सत्तारूढ़ दल के पक्ष में काम कर रहा था। विरोध के बाद मतदान केंद्र पर कुछ घंटों के लिए मतदान प्रभावित रहा। बाद में संबंधित मतदान अधिकारी को वहां से हटाकर उसकी जगह दूसरे अधिकारी को तैनात किया गया पश्चिम बंगाल में एजेयूपी चीफ और विधायक हुमायूं कबीर की गिरफ्तारी पर शुभेंदु अधिकारी ने कहा- मुझे भी गिरफ्तार किया जा सकता है। वह बूथ से बाहर निकले और हस्तक्षेप किया। मैंने बूथ पर वोट डाला, इसके बाद मैं किराए के बूथ पर जाऊंगा और थोड़ा आराम करने के बाद कोलकाता चला जाऊंगा। अगर मैं किसी दूसरे बूथ पर जाता हूं, तो मुझे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यही नियम है। नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव के लिए वोटिंग से ठीक एक दिन पहले चुनाव आयोग ने नंदीग्राम थाने के प्रभारी (आईसी) को बदल दिया है। सोमवार को मौजूदा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा को हटाकर उनकी जगह देबाशीष सरकार को नया प्रभारी बनाया गया। दरअसल, विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी कि अजय कुमार मिश्रा सत्ताधारी पार्टी के करीबी हैं, जिसके बाद आयोग ने यह कार्रवाई की। मिश्रा को 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले यहां तैनात किया गया था। रेजीनगर विधानसभा उपचुनाव को लेकर AJUP उम्मीदवार गोलाम नबी आजाद ने दावा किया कि अगर चुनाव निष्पक्ष तरीके से होता तो उनकी जीत 100% तय थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अभी भी पुलिस की ओर से काफी प्लानिंग की जा रही है। उनके मुताबिक, उनकी पार्टी की किसी अन्य दल से नहीं, बल्कि BJP से सीधी टक्कर है। बागडोगरा में पश्चिम बंगाल BJP अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने AJUP प्रमुख और विधायक हुमायूं कबीर की गिरफ्तारी पर कहा कि चुनाव के दिन पुलिस ने ऐसे लोगों को गिरफ्तार करना अपना कर्तव्य समझा, जो हिंदू-मुस्लिम के बीच विभाजन पैदा करने और लोगों को दंगा भड़काने के लिए उकसा रहे थे। उन्होंने कहा कि नंदीग्राम और रेजीनगर उपचुनाव BJP जीतेगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव को लेकर राज्य सरकार के मंत्री दिलीप घोष ने रेजीनगर और नंदीग्राम दोनों सीटों पर जीत का पक्का भरोसा जताया है।

वायुसेना के नए...

उन्होंने ऑपरेशन सफेद सागर, ऑपरेशन रक्षक, कोप-इंडिया और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों और सैन्य अभ्यासों में हिस्सा लिया है। भारतीय वायुसेना में स्वदेशी LCA तेजस और दूसरे स्वदेशी विमान प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने में भी उनकी अहम भूमिका रही है। एयर मार्शल दीक्षित को 6 दिसंबर 1986 को IAF की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन मिला था। वे नेशनल डिफेंस एकेडमी, डिफेंस स्टाफ सर्विस कॉलेज (बांग्लादेश) और नेशनल डिफेंस कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। विमान में लगे नए रडार, मिसाइलों और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम का कोऑर्डिनेशन को परखते हैं। किसी भी विमान को वायुसेना के बेड़े में शामिल करने के लिए हरी झंडी देते हैं। वायुसेना में सैकड़ों घंटे उड़ान का अनुभव रखने वाले सीनियर पायलट को ही टेस्ट पायलट बनाया जाता है। इसके लिए एयरोस्पेस इंजीनियरिंग या साइंस, टेक, इंजीनियरिंग, मैथ्स की समझ जरूरी है। इसकी परीक्षा में पायलट को वह विमान उड़ाने दिए जाते हैं, जो उसने पहले कभी न छुए हों। इन्हें वायुसेना का टॉप गन माना जाता है।

उनकी अगुआई में भारत ने पहली बार महिला वर्ल्डकप जीता, स्मृति हो सकती हैं अगली कप्तान

हरमनप्रीत ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ी

सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी

हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। हरमनप्रीत की जगह स्मृति मंधाना टीम की नई कप्तान बन सकती हैं।

37 साल की हरमनप्रीत के नाम कई रिकॉर्ड हैं। इनमें बतौर कप्तान भारत को पहला महिला वर्ल्ड कप जिताना शामिल है। उनकी कप्तानी में टीम ने 2012, 2016, 2022 और 2026 एशिया कप का खिताब भी अपने नाम किया। 2012 एशिया कप में हरमनप्रीत ने सिर्फ फाइनल में कप्तानी की थी। बाकी मैचों में मिताली राज ने टीम की कमान संभाली थी। हरमनप्रीत ने लिखा, आज मैं सभी फॉर्मेट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ रही हूं। यह आसान फैसला नहीं है। इसमें सालों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल जुड़े हैं, जो जिंदगीभर मेरे साथ रहेंगे।



हरमनप्रीत ने भारत के लिए 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे से इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उन्होंने 8 टेस्ट, 164 वनडे और 210 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

भारत ने 2025 में पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीता। हरमनप्रीत वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला कप्तान बनीं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2017 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में नाबाद 171 रन की पारी खेली। यह महिला वर्ल्ड कप की यादगार पारियों में शामिल है। 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ T20 इंटरनेशनल में शतक लगाया। ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं।

हरमनप्रीत 200 इंटरनेशनल टी-20 मैच खेलने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर हैं। फरवरी 2026 में महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनीं। उन्होंने 382 मैच खेले हैं। 150 T20I में कप्तानी करने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर। सितंबर 2026 में रिकॉर्ड बनाया।



लगातार 2 बार एशियन गेम्स के गोल्ड जीते

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दो गोल्ड मेडल जीते हैं। भारत ने 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में श्रीलंका को हराकर पहला गोल्ड जीता था। इसके बाद 2026 नागोया एशियन गेम्स में भी टीम ने श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

स्मृति पहले भी कप्तानी कर चुकीं

स्मृति मंधाना को हरमनप्रीत कौर के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी मिल सकती है। स्मृति पहले भी टीम की कप्तानी कर चुकी हैं।

पाकिस्तानी क्रिकेटर हसन नवाज का पुराना वीडियो वायरल

कहा था- भारत के हर गेंदबाज से नफरत है





नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स फाइनल में भारत के खिलाफ 96 रन बनाने वाले पाकिस्तानी क्रिकेटर हसन नवाज का पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वे कहते हैं कि उन्हें भारत के हर गेंदबाज से नफरत है।

वीडियो में जब एंकर उनसे पूछते हैं कि क्या दुनिया में कोई ऐसा गेंदबाज है, जिसे वह मैदान पर आते ही निशाना बनाना चाहते हैं। इस पर वे हर भारतीय गेंदबाज का नाम लेते हैं। जापान में एशियन गेम्स का मेंस क्रिकेट फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया था। भारत ने 19 रन से पाकिस्तान को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

हसन नवाज का यह बयान एशियन गेम्स के पहले का है। उनका यह पुराना इंटरव्यू अप्रैल 2026 में सामने आया था।

भारत और पाकिस्तान के बीच एशियन गेम्स 2026 का फाइनल मुकाबला रोमांचक रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 211 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने 61 रन की पारी खेली। तिलक वर्मा 51 रन बनाकर नाबाद रहे। 212 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 192 रन ही बना सकी। पाकिस्तान के लिए नवाज ने 51 गेंद में 96 रन बनाए। उनकी पारी में 5 चौके और 7 छक्के शामिल रहे।

वर्ल्डकप जिताने वाले सूर्या को रणजी में भी जगह नहीं

मुंबई ने टीम का ऐलान किया, आयुष म्हात्रे उपकप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव को रणजी ट्रॉफी के ओपनिंग मैच के लिए मुंबई टीम में जगह नहीं मिली है। 42 बार की चैंपियन मुंबई 11 अक्टूबर से चंडीगढ़ के खिलाफ 4 दिवसीय मुकाबला खेलेगी।

सूर्यकुमार ने रणजी मैच के लिए उपलब्ध रहने की जानकारी दी थी। उन्होंने चयनकर्ताओं को संदेश भी भेजा था। इसके बावजूद उन्हें स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया।

19 साल के आयुष म्हात्रे को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। यशस्वी जायसवाल भी स्क्वॉड में शामिल हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद सिलेक्शन कमेटी ने उन्हें कप्तानी से हटा दिया और श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बनाया। यहां तक आयरलैंड, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान और जापान सीरीज की टीमों में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया। सिलेक्टर्स ने उनके खराब फॉर्म को वजह बताया। मुंबई के मुख्य चयनकर्ता राजेश पवार ने सूर्यकुमार को टीम में शामिल नहीं करने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार ने पिछले 18 महीनों से रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है। चयनकर्ता चाहते हैं कि वह पहले कुछ रेड-बॉल मैच खेलकर लय हासिल करें। पवार ने कहा, "सूर्यकुमार बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं और मुंबई के लिए साबित प्रदर्शन कर चुके हैं।



सलमान आगा की जगह साहिबजादा फरहान को कमान, एशियन गेम्स फाइनल में भारत से हारी थी टीम

पाकिस्तान ने टी-20 कप्तान बदला

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ 9 से 13 अक्टूबर तक होने वाली 3 मैचों की टी-20 सीरीज के लिए कप्तान बदल दिया है। सलमान अली आगा की जगह साहिबजादा फरहान को टीम की कमान सौंपी गई है। फरहान ने हाल ही में एशियन गेम्स में पाकिस्तान की कप्तानी की थी। उनकी टीम फाइनल में भारत से 19 रन से हारकर सिल्वर मेडल जीत सकी थी।

पाकिस्तान ने टी-20 टीम में बल्लेबाज हसन नवाज और तेज गेंदबाज नसीम शाह की वापसी भी कराई है।

वहीं, टेस्ट डेब्यू पर इंग्लैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले रजाउल्लाह को पहली बार टी-20 और वनडे टीम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को टी-20 और वनडे दोनों टीमों से बाहर रखा गया है। रिजवान नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन अथॉरिटी की जांच के दायरे में हैं। अगस्त में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान की हार के बाद रिजवान समेत 7 खिलाड़ियों को वापस पाकिस्तान बुलाया गया था। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज शॉन टेट को पाकिस्तान का नया बॉलिंग कोच बनाया गया है। वे इससे पहले बांग्लादेश की टीम के साथ काम कर रहे थे।

टेट के रहते बांग्लादेश ने इस साल पाकिस्तान के खिलाफ 2-0 से टेस्ट सीरीज जीती थी। पाकिस्तान ने उन्हें एशले नॉफ्के की जगह जिम्मेदारी दी है। नॉफ्के अब नीदरलैंड्स टीम के साथ काम करेंगे।

पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 3 टी-20 मैचों की सीरीज रावलपिंडी में खेली जाएगी। सीरीज 9 अक्टूबर से शुरू होगी और 13 अक्टूबर तक चलेगी। इसके बाद 18 अक्टूबर से पाकिस्तान, श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच ट्राई सीरीज खेली जाएगी।



पाकिस्तान ने वनडे टीम में कप्तानी में बदलाव नहीं किया है। तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ही वनडे टीम के कप्तान बने रहेंगे। इस टीम में सलमान अली आगा और बाबर आजम भी शामिल हैं।

टी-20 टीम में विकेटकीपर की जिम्मेदारी ख्वाजा नफे को दी गई है। वहीं, वनडे टीम में घाजी घोरी को पहली पसंद के विकेटकीपर के तौर पर चुना गया है।

एशियन गेम्स में फरहान की कप्तानी में फाइनल तक पहुंची थी टीम

साहिबजादा फरहान ने एशियन गेम्स में पाकिस्तान की कप्तानी की थी। टीम ने फाइनल तक का सफर तय किया, जहां भारत ने उसे 19 रन से हराकर गोल्ड मेडल जीता। फाइनल में हसन नवाज ने पाकिस्तान की ओर से 96 रन की पारी खेली थी। वे आखिरी गेंद पर आउट हुए और टीम लक्ष्य से 19 रन दूर रह गई। हसन नवंबर के बाद से पाकिस्तान की टी-20 टीम से बाहर चल रहे थे। एशियन गेम्स में प्रदर्शन के बाद उन्हें फिर मौका मिला है।

नसीम शाह की भी टी-20 टीम में वापसी

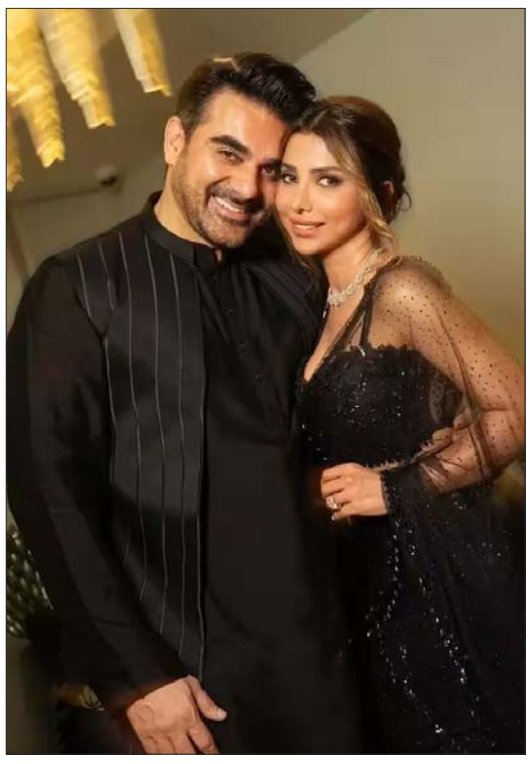
तेज गेंदबाज नसीम शाह को भी टी-20 टीम में वापस बुलाया गया है। उन्होंने आखिरी बार फरवरी में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में इस फॉर्मेट में पाकिस्तान के लिए खेला था।

नसीम को श्रीलंका और इंग्लैंड के साथ होने वाली ट्राई सीरीज के लिए पाकिस्तान की वनडे टीम में भी शामिल किया गया है। यह ट्राई सीरीज 18 अक्टूबर से शुरू होगी।

इंग्लैंड के खिलाफ पिछले महीने बर्मिंघम में टेस्ट डेब्यू करने वाले रजाउल्लाह को भी टी-20 और वनडे टीम में जगह मिली है। उन्होंने अभी तक पाकिस्तान के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है।

मनोरंजन

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के महीनों बाद दिखे सलीम खान, सलमान समेत पूरा परिवार शामिल



अरबाज की बेटी सिपारा का पहला बर्थडे सेलिब्रेशन

नई दिल्ली। अरबाज खान और शूरा खान की बेटी सिपारा खान का सोमवार को पहला जन्मदिन मनाया गया।

मुंबई स्थित घर पर बर्थडे सेलिब्रेशन में खान परिवार के कई सदस्य शामिल हुए। सलीम खान, सलमान खान, सोहेल खान और अन्य लोग अरबाज के घर पहुंचे।

सामने आए वीडियो में सलीम खान कार से अरबाज के घर पहुंचते दिखे। उनके साथ उनकी पत्नी सलमा खान भी थीं।

बाद में सलीम खान सोहेल खान के साथ घर से बाहर निकले। सोहेल उन्हें कार तक चलने में मदद करते दिखे। हेलेन भी उनके साथ थीं। इस साल की शुरुआत में सलीम खान के ब्रेन हैमरेज के बाद करीब एक महीने अस्पताल में रहने की खबर सामने आई थी। अस्पताल में भर्ती होने के बाद वे मार्च 2026 में ईद के मौके पर पहली बार दिखाई दिए थे। अब कई महीनों बाद वे पब्लिकली दिखाई दिए हैं। अरबाज खान और शूरा खान ने अभी तक बेटी सिपारा की कोई भी ऐसी पूरी तस्वीर शेयर नहीं की है, जिसमें उसका चेहरा दिखाई दे रहा हो। हालांकि, दोनों कभी-कभी सोशल मीडिया पर बेटी की झलक शेयर करते हैं। नवंबर 2025 में दोनों ने बेटी के हाथों और पैरों की तस्वीरें शेयर की थीं।





सलमान और परिवार के अन्य सदस्य भी पहुंचे

सलमान खान भी जन्मदिन की पार्टी में पहुंचे। उन्होंने काले रंग की फुल-स्लीव टी-शर्ट, नीली डेनिम जींस और काला चश्मा पहना था।

अर्पिता खान शर्मा अपनी बेटी आयत शर्मा के साथ पार्टी में पहुंचीं। अरबाज के बेटे अरहान और खान परिवार के कई अन्य सदस्य भी नजर आए।

अरबाज और शूरा ने 2023 में की थी शादी

अरबाज खान और शूरा खान ने 24 दिसंबर 2023 को शादी की थी। यह निजी समारोह मुंबई में अरबाज की बहन अर्पिता के घर हुआ था। शादी में परिवार के करीबी सदस्य और दोस्त शामिल हुए थे। 5 अक्टूबर 2025 को कपल की पहली संतान का जन्म हुआ था। बाद में दोनों ने सोशल मीडिया पर बेटी का नाम सिपारा खान बताया था।



सीजेपी-अभिजीत दीपके की आलोचना करने के दावों को बताया झूठ, बोले- मेरे नाम का इस्तेमाल क्यों?

फर्जी मैसेज वायरल होने पर भड़के जावेद अख्तर

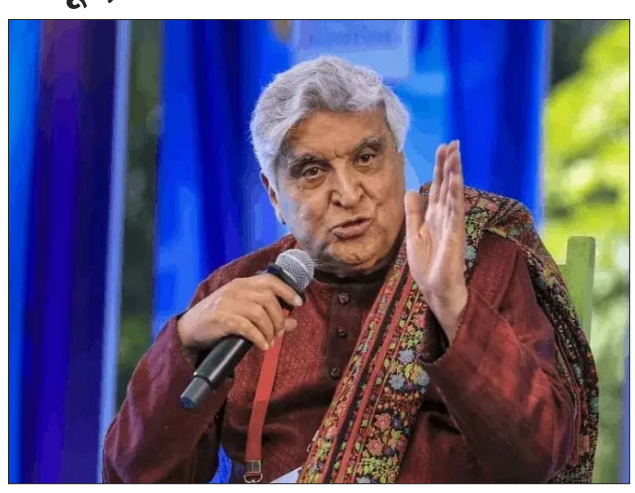
नई दिल्ली। जावेद अख्तर ने सोशल मीडिया पर वायरल उस मेसैज को पूरी तरह फेक बताया है, जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) और उसके संस्थापक अभिजीत दीपके की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इस दावे को खारिज किया।

जावेद अख्तर ने सवाल उठाया कि अभिजीत दीपके और CJP की आलोचना के लिए उनके नाम का इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है।

उन्होंने X पर लिखा, "मैं जावेद अख्तर, सभी को बताना चाहता हूं कि सोशल मीडिया पर फैला यह झूठा मेसैज कि मैंने CJP की आलोचना की है और अभिजीत दीपके को नीचा दिखाया है। यह पूरी तरह से फेक है। मुझे आश्चर्य है कि दीपके और CJP का विरोध करने वालों को मुझ जैसे व्यक्ति से विश्वसनीयता उधार लेने की जरूरत क्यों पड़ रही है? ये हालत हो गई है? दुखद है।" कंचन गुप्ता ने रशीदी के बयान की खबर शेयर करते हुए जावेद अख्तर पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि अगर किसी हिंदू ने कहा होता कि मुसलमानों के 11-12 बच्चे होते हैं तो नसीरुद्दीन शाह भड़क जाते, जावेद अख्तर को बहुत बुरा लगता और LeLi गैंग सड़कों पर 'सर तन से जुदा...' के नारे लगाते हुए मार्च निकालता।



बता दें कि सोशल मीडिया पर वायरल हुए फेक मैसेज में जावेद अख्तर ने अभिजीत दीपके और सीजेपी की आलोचना की थी। इसमें दीपके को अरविंद केजरीवाल की कठपुतली बताया गया था।



जावेद अख्तर और कंचन गुप्ता में सोशल मीडिया पर भिड़ंत

सोमवार को जावेद अख्तर और सूचना प्रसारण मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार कंचन गुप्ता ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी के एक बयान को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर भिड़ गए।

दरअसल, मौलाना साजिद रशीदी ने आबादी बढ़ाने को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम परिवारों में पांच से ज्यादा बच्चे होना सामान्य है और छह बच्चों की संख्या उनके लिए लास्ट है। उन्होंने हिंदू परिवारों के कम बच्चे पैदा करने पर भी सवाल उठाए। रशीदी ने कहा था, हमारे यहां तो पांच से ऊपर होते हैं सबके। छह तो बिल्कुल लास्ट आंकड़ा है। कम से कम नहीं तो छह, आठ, दस और ग्यारह-बारह भी होते हैं। उन्होंने हिंदुओं की ओर इशारा करते हुए कहा, रकम से कम दस पर तो आओ।

महाराष्ट्र साइबर पुलिस के समन पर हनी सिंह नहीं पहुंचे

गाड़ियों में शारीरिक संबंधों पर टिप्पणी मामले में मांगा और समय

नई दिल्ली। रैपर और सिंगर हनी सिंह सोमवार को महाराष्ट्र साइबर पुलिस के सामने पेश नहीं हुए। उन्हें दिल्ली में कॉन्सर्ट के दौरान कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र साइबर के एक अधिकारी ने बताया कि हनी सिंह ने जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए और समय मांगा है। साइबर पुलिस अब कोर्ट से अरेस्ट वारंट मांगेगी और उनके खिलाफ लुक-आउट सर्कुलर (LOC) जारी करने का प्रोसेस शुरू करेगी।

मामला दिल्ली के कॉन्सर्ट के एक वीडियो से जुड़ा है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें हनी सिंह गाड़ियों में शारीरिक संबंध बनाने का अश्लील संदर्भ देते दिखे थे। हनी सिंह की टिप्पणी पर सोशल मीडिया यूजर्स ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद साइबर पुलिस में शिकायत की गई और केस दर्ज हुआ। मामले को लेकर महाराष्ट्र नोडल साइबर पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, "हमने यो यो हनी सिंह को समन भेजा था, लेकिन वे पेश नहीं हुए और उन्होंने कुछ समय मांगा है।"अधिकारी ने कहा कि एजेंसी अब गिरफ्तारी वारंट के लिए संबंधित अदालत का रुख करेगी। हनी सिंह देश छोड़कर न जा सकें, यह सुनिश्चित करने के लिए लुक-आउट सर्कुलर भी जारी किया जाएगा। मामले को लेकर विवाद होने के बाद हनी सिंह ने एक वीडियो जारी कर माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि वीडियो क्लिप को इस तरह एडिट किया गया, जिससे लोगों को ठेस पहुंची। उन्होंने कहा था कि उनका कभी किसी को चोट पहुंचाने, अपमानित करने या ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था।

अपने कमेंट का कॉन्टेक्स्ट समझाते हुए हनी सिंह ने कहा था कि उन्होंने एक जाने-माने गाइनेकोलॉजिस्ट से बात की थी। डॉक्टर ने युवाओं में अनसेफ सेक्स की वजह से सेक्सुअल इन्फेक्शन बढ़ने पर चिंता जताई थी।



सेना-पुलिस के ठिकानों पर मछली पकड़ने वाला जाल लगा रहे, दावा- इसमें ड्रोन फंसकर फट जाएंगे

पाकिस्तान का ड्रोन हमलों से बचने के लिए सस्ता तरीका

बचाव

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में ड्रोन हमलों से बचने के लिए पुलिस और सेना अब मछली पकड़ने वाले जाल का इस्तेमाल कर रही है। अल जजीरा के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के संवेदनशील इलाकों में पुलिस चौकियों और सुरक्षा ठिकानों के ऊपर कई मीटर की ऊंचाई पर ये जाल लगाए जा रहे हैं।

सुरक्षाकर्मियों का ऐसा मानना है कि हमलावर ड्रोन इन जालों में फंस सकते हैं। इससे ड्रोन हमले में होने वाला नुकसान 40 से 50% तक कम किया जा सकता है। हालांकि, सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस तरीके को पूरी तरह भरोसेमंद मानने से इनकार किया है।



पुलिस के मुताबिक, जाल लगाने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि आतंकियों ने हमले का तरीका बदल दिया है। अब वे गोलीबारी और मोर्टार के साथ ड्रोन का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा के हंगू जिले में 29 जुलाई को सबसे घातक हमलों में से एक हुआ था। बम से भरे ड्रोन से पुलिस चौकी पर हमला किया। इसमें 11 पुलिसकर्मी मारे गए। इसके बाद कई घंटे तक चली मुठभेड़ में 15 हमलावर भी मारे गए। पुलिस के मुताबिक, इस साल खैबर पख्तूनख्वा के हंगू जिले में कम से कम 16 हमले हो चुके हैं। इसी वजह से यह जिला प्रांत के सबसे संवेदनशील इलाकों में शामिल है। ऐसे हमलों से बचने के लिए हंगू पुलिस ने कम लागत वाला तरीका अपनाया। पुलिस चौकी की छत और चारदीवारी के बीच कई मीटर ऊपर मछली पकड़ने वाले जाल लगाए गए। इससे चौकी के ऊपर एक तरह की जालीदार छत बन गई।

पेशावर के आतंकवाद और सुरक्षा विशेषज्ञ फिदा अदील ने बताया कि मछली पकड़ने वाले जाल से ड्रोन रोकना कोई नया तरीका नहीं है।

एक चेकपोस्ट पर करीब 1 लाख रुपए खर्च

हंगू के जिला पुलिस अधिकारी तारिक हबीब के मुताबिक, एक सामान्य पुलिस चेकपोस्ट को इस तरह के जाल से ढकने में करीब 1.4 लाख रुपए खर्च होते हैं।

खैबर पख्तूनख्वा पुलिस के प्रवक्ता के मुताबिक, हंगू के अलावा कोहाट, करक, बन्नू, लक्की मरवत और डेरा इस्माइल खान जैसे कम से कम 5 और संवेदनशील जिलों में भी पुलिस चौकियों और चेकपोस्ट पर ये जाल लगाए गए हैं।

प्रांत के कुछ इलाकों में सेना के ठिकानों पर भी 'एंटी-ड्रोन जाल' लगाए गए हैं। पुलिस ने इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए प्रांतीय सरकार से अतिरिक्त पैसे भी मांगे हैं।



हंगू में पुलिस चेकपॉइंट पर सुरक्षा के लिए मछली पकड़ने वाला जाल लगाया गया है।

एक चेकपोस्ट पर करीब 1 लाख रुपए खर्च

इस्लामाबाद स्थित सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज के कार्यकारी निदेशक इम्तियाज गुल ने इसे नासमझी वाला सस्ता तरीका बताया। उनके मुताबिक, आतंकियों का निशाना हमेशा पुलिस स्टेशन या चेकपोस्ट ही नहीं होते। ड्रोन का इस्तेमाल बड़े और जरूरी ठिकानों पर हमला करने के लिए किया जाता है, ताकि हमले का असर ज्यादा दिखाई दे और लोगों में डर पैदा हो। उन्होंने कहा कि असली सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां ड्रोन के हवा में उठते ही उसे रोकने की क्षमता रखती हैं।

वैज्ञानिक फ्रांसिस हाल्जेन को दिया गया फिजिक्स में नोबेल पुरस्कार

न्यूट्रिनो की खोज के लिए मिला सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी

बेल्जियम मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक फ्रांसिस हाल्जेन (Francis Halzen) को साल 2026 के फिजिक्स नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

आइसक्यूबन न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी में अहम योगदान और अंतरिक्ष से धरती तक पहुंचने वाले बेहद ज्यादा ऊर्जा वाले न्यूट्रिनो कण की खोज के लिए रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने उन्हें यह सम्मान दिया है। हाल्जेन ने अपने करियर का बड़ा हिस्सा अमेरिका में बिताया।

दिसंबर 2026 में स्वीडन के स्टॉकहॉम में फ्रांसिस हाल्जेन को सम्मानित किया जाएगा। उन्हें मेडल, डिप्लोमा और 11.5 करोड़ रुपये पुरस्कार राशि भी मिलेगी।

आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी, जिसका विचार इस साल फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार पाने वाले फ्रांसिस हैल्जेन ने दिया था – दूर अंतरिक्ष से आने वाले न्यूट्रिनो को ट्रैक करती है। आइसक्यूब द्वारा लगातार इकट्ठा की जाने वाली न्यूट्रिनो इंटरैक्शन से शोधकर्ताओं को उन हिंसक स्थितियों के बारे में नई जानकारी मिलेगी जिनमें हाई-एनर्जी न्यूट्रिनो बन सकते हैं, और इससे पहले से अज्ञात ब्रह्मांडीय घटनाओं का भी पता चल सकता है।



2026 में फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार पाने वाले फ्रांसिस हैल्जेन ने महसूस किया कि साउथ पोल की बर्फ का इस्तेमाल न्यूट्रिनो कहे जाने वाले कणों को ट्रैक करने के लिए किया जा सकता है।

फास्ट न्यूज

'जेन डो' के समर्थन में उतरे कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के छात्र

वाशिंगटन। अमेरिका की प्रतिष्ठित आइवी लीग यूनिवर्सिटी कॉर्नेल में एक छात्रा के साथ कथित गैंगरेप के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस घटना के विरोध में और पीड़िता के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए सोमवार को यूनिवर्सिटी परिसर में एक विशाल रैली निकाली गई। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कैंपस में बढ़ती यौन हिंसा के खिलाफ संस्थान से कड़े और ठोस कदम उठाने की मांग की।

ट्रंप ने फोर्ट हुड गोलीबारी के दोषी निदाल हसन की मौत की सजा को दी मंजूरी

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने 2009 में टेक्सास के फोर्ट हुड में गोलीबारी करने वाले मेजर निदाल मलिक हसन को फायरिंग स्क्वाड के जरिए मौत की सजा देने की मंजूरी दे दी। सेना ने 1961 के बाद से मौत की सजा पर अमल नहीं किया है। पेंटागन के प्रवक्ता शान पार्नेल ने कहा कि आर्मी सेक्रेटरी सजा देने का समय और जगह तय करेंगे। आखिरकार हसन के लिए फैसले का दिन आ गया है। आर्मी साइकियाट्रिस्ट हसन एक मेडिकल बिल्डिंग में गया, जहां सैनिक अपना चेकअप करवा रहे थे। उसने अल्लाहु अकबर का नारा लगाया और गोलीबारी शुरू कर दी।

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादी हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को आतंकियों ने घात लगाकर हमला कर दिया, जिसमें कम से कम चार सीमा शुल्क यानी कस्टम अधिकारियों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे डेरा इस्माइल खान जिले में हुई। कस्टम विभाग के ये अधिकारी वहां ड्यूटी पर तैनात थे, तभी आतंकियों ने उन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं।

स्पेन में किराएदार को घर से निकालने पर सरकार गिरी

87 साल की महिला महंगा किराया नहीं चुका पाई

मैड्रिड, एजेंसी

स्पेन में 87 साल की एक महिला को घर से निकालना बहुत बड़ा मुद्दा बन गया। महंगे किराए और लोगों को घर से निकाले जाने के खिलाफ हजारों लोग सड़कों पर उतर आए।

मामला इतना बढ़ा कि सरकार को किराएदारों को राहत देने के लिए संसद में इमरजेंसी बिल लाने पड़े। लेकिन सरकार इन्हें पास नहीं करा सकी। इसके बाद प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने तय समय से करीब 8 महीने पहले आम चुनाव कराने का ऐलान कर दिया। स्पेन में 29 नवंबर 2026 को वोटिंग होगी।

मामले की शुरुआत 23 सितंबर को हुई। मैड्रिड में 87 साल की मारिया डेल कार्मेन अबास्कल को उस घर से निकाल दिया गया, जहां वह करीब 70 साल से रह रही थीं।



यह घर अबास्कल परिवार के पास कई दशकों से किराए पर था। 2018 में घर के मूल मालिक ने पूरी इमारत एक रियल एस्टेट कंपनी को बेच दी। इसके बाद कंपनी और अबास्कल में किराए को लेकर विवाद शुरू हो गया। कंपनी ने किराया 500 यूरो से बढ़ाकर 2650 यूरो कर दिया। अबास्कल की मासिक पेंशन ही करीब 1,350 यूरो थी। यानी मांगा गया किराया उनकी पूरी मासिक आय से भी काफी ज्यादा था। इसी वजह से वह नया किराया देने की स्थिति में नहीं थीं। इसके बाद मामला कोर्ट में चला गया था।

हूती विद्रोहियों के खिलाफ साथ आए तीनों देश, पिछले महीने पाकिस्तान ने मदद से इनकार किया था

सऊदी अरब में तैनात होंगी पाकिस्तान-तुर्किये की फौज

> सऊदी अरब यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ जंग शुरू करने की तैयारी कर रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी 1 लाख से ज्यादा सैनिकों को यमन में उतार सकता है। इसका मकसद बाब अल-मंदेब स्ट्रेट को हूतियों के कब्जे से छुड़ाना और समुद्री व्यापार का रास्ता सुरक्षित करना है।

रियाद, एजेंसी

लाल सागर में हूती विद्रोहियों की बढ़ती ताकत ने अब सऊदी अरब को सीधे सैन्य कार्रवाई के लिए मजबूर कर दिया है। सऊदी समर्थित यमनी सेना ने हूतियों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। इसी बीच पाकिस्तान और तुर्किये भी सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए अपने सैन्य बल तैनात करने की तैयारी में हैं।

सोमवार को रियाद में मक्का रक्षा समझौते की इमरजेंसी मीटिंग हुई। इसमें सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये ने सामूहिक रक्षा व्यवस्था को सक्रिय करने और सऊदी अरब में सैन्य बलों की तेजी से तैनाती पर सहमति जताई। इससे पहले भी सऊदी ने पाकिस्तान से सैन्य मदद मांगी थी। हालांकि, पाकिस्तान ने सितंबर में मदद देने से इनकार कर दिया था। यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने तब कहा था कि उसकी सेना किसी दूसरे देश की जमीन पर युद्ध में शामिल नहीं होगी। रियाद में सोमवार को हुई बैठक के साथ मक्का रक्षा समझौता औपचारिक रूप से लागू हो गया। इसके तहत एक देश पर हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। बैठक में तीनों देशों के वरिष्ठ रक्षा और सैन्य अधिकारी शामिल हुए। तुर्किये से विदेश मंत्री हाकान फिदान और रक्षा मंत्री याशार ग्यूलर, जबकि सऊदी अरब से विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान और रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान मौजूद रहे। पाकिस्तान की ओर से उप प्रधानमंत्री इशाक डार, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ शामिल हुए।



हूती विद्रोही पीछे हटे, बाब अल-मंदेब पर सऊदी समर्थित गुट मजबूत

सितंबर में हूतियों ने यमन के लाल सागर तट पर तेजी से बढ़ते हुए मोचा शहर और बाब अल-मंदेब के आसपास के कई अहम इलाकों पर कब्जा कर लिया था। इससे इस रणनीतिक समुद्री रास्ते पर हूतियों की पकड़ मजबूत हो गई थी। लेकिन अब तस्वीर बदल गई है। 5 अक्टूबर को सऊदी समर्थित यमनी सेना ने हूतियों के खिलाफ बड़ा जवाबी अभियान शुरू किया। यमनी सेना ने बाब अल-मंदेब के पास धुबाब इलाके और कई अहम ठिकानों पर दोबारा कब्जे का दावा किया। इसके बाद सेना मोचा की तरफ बढ़ी और यमनी सरकार ने शहर को भी हूतियों से वापस लेने का दावा किया। रॉयटर्स के मुताबिक, सरकारी बलों ने हूतियों को पिछले महीने कब्जे में लिए गए ज्यादातर इलाकों से पीछे धकेल दिया है।

धमाके में 15 साल के छात्र का हाथ उड़ा, 5 हजार गिरफ्तार, 87% गिरफ्तार नाबालिग

फ्रांस में शिक्षकों की कमी को लेकर आंदोलन हिंसक हुआ

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर छात्र सड़कों पर उतर गए हैं। सितंबर में शुरू हुआ यह आंदोलन अब पूरे देश में फैल गया है। छात्र स्कूलों में बढ़ती भीड़, जर्जर इमारतों और शिक्षकों की कमी का विरोध कर रहे हैं।

पिछले एक हफ्ते में छात्रों ने सैकड़ों स्कूलों को बंद कराया। आंदोलन के दौरान कई जगह छात्रों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई।

लेंस शहर में एक स्कूल के पास हुए धमाके में 15 साल के एक छात्र का हाथ उड़ गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे पहले पिछले हफ्ते 14 साल के ईडन नाम के छात्र के सिर पर आंसू गैस का गोला लगने की खबर सामने आई थी। उसके जबड़े में दो जगह फ्रैक्चर हुआ था और उसे बड़ी सर्जरी करानी पड़ी। प्रदर्शन के दौरान कम से कम 190 छात्र घायल हुए हैं, जबकि 5,060 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 87% नाबालिग हैं। आंदोलन की शुरुआत 21 सितंबर को पेरिस के एक स्कूल से हुई थी। छात्रों की मांग थी कि स्कूल में स्टाफ और संसाधनों की कमी दूर की जाए।



प्रदर्शन के दौरान कई जगह स्कूलों की नाकेबंदी की गई और कूड़ेदानों में आग लगाई गई। शिक्षा मंत्री एडुआर्ड जॉफ्रे के मुताबिक आंदोलन शुरू होने के बाद से 24 स्कूलों को जला दिया गया या उनमें तोड़फोड़ की गई।

स्कूल में अतिरिक्त स्टाफ भेजे जाने के बाद वहां की हड़ताल खत्म हो गई, लेकिन तब तक दूसरे इलाकों में भी विरोध शुरू हो चुका था।



फ्रांस में ज्यादा संसाधन और फंडिंग की मांग को लेकर प्रदर्शन करता फायरफाइटर। हेलमेट पर लिखा है- 'गुस्से में'।

मंगलवार को देशभर में सबसे बड़े प्रदर्शन का ऐलान

मंगलवार को छात्रों के समर्थन में देशभर में प्रदर्शन की तैयारी है। प्रमुख छात्र संगठन यूनियन सिंडिकेल लिसेन ने लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की है।

शिक्षकों के संगठनों ने भी अपने सदस्यों से प्रदर्शन में शामिल होने को कहा है। छात्रों का कहना है कि स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन उनके मुकाबले कक्षाएं, शिक्षक और दूसरी सुविधाएं नहीं बढ़ाई गई हैं। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्तियन लेकोर्नू ने छात्रों और शिक्षा कर्मचारियों की समस्याओं को दूर करने के लिए कुछ कदमों की घोषणा की है। उन्होंने स्कूलों में बदलाव लाने का वादा किया है। हालांकि, हिंसा को लेकर उन्होंने साफ कहा है कि सरकार नरमी नहीं बरतेगी।

83% दुकानदार यूपीआई चार्ज देने को तैयार नहीं

खर्च ग्राहकों पर डाला तो 86% लोग यूपीआई पेमेंट नहीं करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

83% दुकानदार 15 अक्टूबर से लगने वाला यूपीआई चार्ज भरने को तैयार नहीं हैं। वहीं, अगर दुकानदार यह खर्च ग्राहकों पर डालते हैं, तो 86% लोग UPI से पेमेंट नहीं करेंगे। ऐसे में कुल लेन-देन में 10% और पेमेंट संख्या में 4% की कमी आ सकती है।

लोकलसर्कल्स ने इसे लेकर एक सर्वे किया है जिसमें ये जानकारी सामने आई है। नए नियमों के मुताबिक 2,000 रुपए से ज्यादा के UPI मर्चेंट पेमेंट पर 0.4% चार्ज (MDR) लगेगा।

लोकलसर्कल्स ने देश के 242 जिलों में 32,000 से ज्यादा कारोबारियों पर किए गए सर्वे में पाया कि कि केवल 17% मर्चेंट्स ही 0.4% MDR का बोझ उठाने के लिए तैयार हैं।

दुकानदारों को होने वाले कुल यूपीआई पेमेंट में 2,000 से बड़े पेमेंट गिनती के लिहाज से 5% से भी कम हैं। लेकिन वैल्यू के लिहाज से यह आंकड़ा बहुत बड़ा हो जाता है। कुल पैसों का लगभग 67% हिस्सा इन्हीं बड़े पेमेंट्स से आता है।



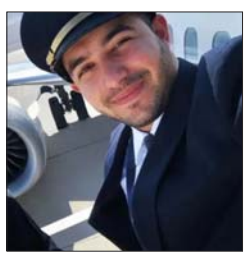
यह हर महीने करीब 6 लाख करोड़ बैठता है। यह रकम पूरे देश में होने वाले कुल यूपीआई लेनदेन की वैल्यू का लगभग 20% है। यानी बड़े लेनदेन भले ही संख्या में कम हों, लेकिन बाजार में घूमने वाले पैसों का एक बड़ा हिस्सा इन्हीं से बनता है।

बयान : मालूम होने पर भी प्लेन क्यों उड़ाने दिया, ओमान बोला- किसी देश ने हमामी की जानकारी नहीं मांगी

हमलावर पायलट मुसीबत था : अमेरिकी उपराष्ट्रपति

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को कहा कि फ्लाईदुबई का को-पायलट हमाम अल-हमामी पहले से मुसीबत था। ये अमेरिकी इंटेलिजेंस नहीं बोल रहा, उसका इतिहास खुद गवाह है। इसके बावजूद उसे पैसेंजर विमान उड़ाने की अनुमति कैसे मिली, यह सवाल उठता है। हमामी पर 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट के कॉकपिट में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर हमला करने और विमान को क्रैश कराने का आरोप है। वहीं, ओमान ने कहा कि किसी दूसरे देश ने हमामी की बैकग्राउंड जांच के लिए



जानकारी नहीं मांगी थी। ओमान के मुताबिक अगर किसी देश ने मांगी होती तो वह हमामी के कट्टरपंथी होने से जुड़ी उपलब्ध जानकारी जरूर साझा करता। ओमान और इजराइल के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं। ऐसे में जांच का एक अहम सवाल यह है कि हमामी को तेल अवीव जाने वाली फ्लाईदुबई की फ्लाइट में को-पायलट की ड्यूटी कैसे मिली।

वेंस बोले- ईरान कनेक्शन का सबूत नहीं

फ्लाईदुबई की घटना में ईरान की भूमिका के सवाल पर वेंस ने कहा कि अभी तक ऐसा कोई पक्का सबूत नहीं मिला, जिससे ईरान का कनेक्शन साबित हो। उन्होंने कहा-ईरान की भूमिका को लेकर मैं अमेरिकी खुफिया अधिकारियों की बात पर भरोसा करूंगा। किसी आधिकारिक ऐलान से पहले मैं इस पर कुछ नहीं कहना चाहता। इसकी जांच चल रही है, लेकिन अभी तक मुझे ऐसा कोई पक्का सबूत नहीं मिला है।



तेल अवीव की फ्लाइट में ड्यूटी कैसे मिली, इसकी जांच जारी

ओमान ने हमामी पर पहले ही जांच की थी

जेडी वेंस के मुताबिक ओमान के अधिकारियों ने पहले हमामी के व्यवहार को लेकर चिंता जताई थी। उसे उड़ान ड्यूटी से भी हटाया गया था, लेकिन बाद में फ्लाईदुबई ने उसे यात्री उड़ानों की जिम्मेदारी दे दी।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक ओमान ने 29 साल के हमामी की ऑनलाइन गतिविधियों की जांच की थी। उसकी कट्टरपंथी विचारधारा में रुचि को लेकर चिंता जताई गई थी। 2024 में उसे इसी वजह से ओमान की सरकारी एयरलाइन की पायलट ट्रेनिंग से हटा दिया गया था। बाद में उसे दूसरी जिम्मेदारी दे दी गई। करीब 8 महीने पहले वह फ्लाईदुबई से जुड़ा था। रिपोर्ट के मुताबिक ओमान ने अपनी जांच की जानकारी दूसरी एजेंसियों या एयरलाइंस को नहीं दी। फरवरी में जब फ्लाईदुबई ने हमामी को नौकरी दी, तब उसने उसकी पिछली नौकरी और रिकॉर्ड की पुष्टि के लिए ओमान से संपर्क नहीं किया।

वर्ल्ड बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

एफवाई27 के लिए 6.6% से बढ़ाकर 7.1% किया

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.1% कर दिया है। इससे पहले अप्रैल में वर्ल्ड बैंक ने FY27 के लिए GDP ग्रोथ रेट का अनुमान 6.6% बताया था। मंगलवार, 6 सितंबर को जारी लेटेस्ट रिपोर्ट 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' में वर्ल्ड बैंक ने यह बात कही है। ग्लोबल ट्रेड और दुनिया में तनाव के बावजूद भारत की इकोनॉमी ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में भारत की GDP ग्रोथ रेट 7.8% रही थी। वर्ल्ड बैंक के अनुसार, भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ में निवेश और घरेलू खपत यानी प्राइवेट कंजम्पशन का सबसे बड़ा योगदान रहा है।

गांव और शहर दोनों में मांग: अच्छी खेती, सरकारी से किसानों को सिधी सहायता और सब्सिडी के चलते डिमांड बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर टैक्स में राहत और जीएसटी कटौती के बाद शहरी खपत में भी उछाल देखने को मिला है।



एक्सपोर्ट बड़ा: ग्लोबल लेवल पर विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भारत के एक्सपोर्ट ने उम्मीद से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे FY27 की ग्रोथ के लिए सबसे बड़ा पॉजिटिव फैक्टर माना जा रहा है।

सप्लाई साइड पर इंडस्ट्रियल सेक्टर ने ग्लोबल चुनौतियों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676